हाल ही में नियुक्त बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से उनके आवास पर मुलाकात की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शहरी विकास और आवास विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 351 | रायपुर | शनिवार 19 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल लोकसभा में विपक्षी हंगामे के बीच पास

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम किसी से भेदभाव नहीं करते हैं. बापू हमारी प्रेरणा और श्रद्धा हैं. पूरा देश हमारे लिए एक है. यह केवल जमीन का टुकड़ा नहीं है. हमारे विचार संकीर्ण और संकुचित नहीं है. शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के मुंह पर राम और बगल में छुरी होता है.

नई दिल्ली ,एजेंसी।

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल यानी VB-G RAM ज पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने लोकसभा में जवाब दिया. इस दौरान विपक्ष बिल के विरोध में जमकर नारेबाजी की. विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और कागज फेंके. हंगामे के बीच बिल ध्वनिमत से पास हो गया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा का नाम पहले पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया. वो तो पहले नरेगा थी. बाद में जब 2009 के चुनाव आए तब चुनाव और वोट के कारण महात्मा गांधी याद आए. बापू याद आए. तब उसमें जोड़ा गया महात्मा गांधी. इससे पहले विपक्ष ने इस बिल के विरोध में संसद परिसर में मार्च निकाला।

इसमें विपक्ष के 50 से ज्यादा सांसदों ने हिस्सा लिया और VB-G RAM G बिल वापस लेने के नारे लगाए. बुधवार को लोकसभा में VB-G RAM G बिल पर 14 घंटे चर्चा हुई. कार्यवाही देर रात 1.35 बजे तक चली. इसमें 98 सांसदों ने हिस्सा लिया. विपक्ष ने मांग की कि प्रस्तावित कानून को स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजा जाए. यह 20 साल पुराने MGNREG एक्ट की जगह लेगा।

विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने और गरीबों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान सम्मान मिला :सुल्तान हैथम ने सम्मानित किया

भारत-ओमान के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिला है। उन्हें सुल्तान हैथम बिन तारिक ने ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। इससे पहले दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते पर साइन हुए।

समझौते से भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वैलरी, रिन्युएबल एनर्जी और ऑटो कंपोनेंट्स जैसे सेक्टर्स को सीधा फायदा होगा। इस पर नवंबर 2023 में बातचीत शुरू हुई थी। इससे पहले पीएम ने बताया कि भारत और ओमान के बीच होने वाला व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता यानी CEPA आने वाले कई दशकों तक दोनों देशों के रिश्तों की दिशा तय करेगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के साझा भविष्य का खाका बताया।

पार्टनर देशों के बाजारों में शून्य-ड्यूटी एंट्री से एक्सपोर्ट बाजारों के डायवर्सिफिक्रेशन और विस्तार में मदद मिलती है। ऐसे समझौते घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए विदेशी इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करते हैं। इसके तहत वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग के लिए कच्चे माल, इंटरमीडिएट प्रोडक्ट्स और कैपिटल गुड्स तक पहुंच आसान हो जाती है।

भारत-ओमान और CEPA एग्रीमेंट - इस एग्रीमेंट के तहत ओमान भारत के लेबर-इंटेंसिव प्रोडक्ट्स जैसे टेक्सटाइल, रत्न और आभूषण, चमड़ा, जूते-चप्पल, खेल का सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल डिवाइस और ऑटोमोबाइल पर टैक्स या कस्टम ड्यूटी हटा देगा। दूसरी ओर, ओमान को खजूर, मार्बल और पेट्रोकेमिकल्स जैसे प्रोडक्ट्स पर कोटे के साथ ड्यूटी में छूट मिलेगी।

यह दो या दो से अधिक देशों के बीच एक आर्थिक समझौता होता है, जिसमें वे अपने बीच ट्रेड होने वाले ज्यादा से ज्यादा सामानों पर कस्टम ड्यूटी को खत्म करने या काफी कम करने पर सहमत होते हैं। इसके अलावा, पार्टनर देशों से इंपोर्ट पर नॉन-ट्रेड रुकावटों को कम किया जाता है और सर्विस एक्सपोर्ट और दोनों देशों के बीच इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए नियमों को आसान बनाया जाता है।

भारत-ओमान व्यापारिक संबंध

भारत, ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025 में भारत का निर्यात SD 4.1 बिलियन रहा, जिसमें नेफ्था, पेट्रोल, कैल्सीन्ड एल्यूमिना, मशीनरी, विमान, चावल, इस्पात के सामान, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद और सिरेमिक उत्पाद शामिल थे। जबकि आयात SD 6.6 बिलियन का था, जिसमें मुख्य रूप से कच्चा तेल, लिक्विफाइड नेचुरल गैस और उर्वरक शामिल थे। पार्टनर देशों के बाजारों में शून्य-ड्यूटी एंट्री से एक्सपोर्ट बाजारों के डायवर्सिफिकेशन और विस्तार में मदद मिलती है। ऐसे समझौते घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए विदेशी इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करते हैं। इसके तहत वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग के लिए कच्चे माल, इंटरमीडिएट प्रोडक्ट्स और कैपिटल गुड्स तक पहुंच आसान हो जाती है। अपने हितों की रक्षा के लिए, भारत ने बिना किसी छूट की पेशकश किए संवेदनशील उत्पादों को बहिष्करण या नकारात्मक श्रेणी में रखा है। इसमें 2,789 टैरिफलाइनें शामिल हैं। इस लिस्ट में डेयरी, चाय, कॉफी, रबर और तंबाकू उत्पादों जैसे कृषि उत्पाद भी शामिल हैं।

सबसे बुरा दौर बीता, इंडिगो ने 2,200 उड़ानें फिर से शुरू कीं : सीईओ पीटर एल्बर्स

नई दिल्ली । बीते कुछ सप्ताह पहले इंडिगो एयरलाइन में आए भारी संकट के बाद, जिसमें हजारों फ्लाइट्स कैंसिल हो गई थीं और यात्रियों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, इंडिगो एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कर्मचारियों को एक संदेश दिया है। इसमें उन्होंने कर्मचारियों की इस मुश्किल दौर में साथ खड़े रहने के लिए सराहना की है। वीडिया संदेश में उन्होंने कहा, सबसे बुरा दौर बीत चुका है। इंडिगो के कर्मचारियों के रूप में, हम सब एकजुट होकर मजबूती से खड़े रहे, एक-दूसरे के प्रति अटूट समर्थन के साथ मिलकर इस कठिन समय का सामना किया। इसके लिए हमारे सभी पायलटों, केबिन क्रू, एयरपोर्ट स्टाफ, ग्राहक सेवा और सहयोग करने वाले सभी विभागों को धन्यवाद। एल्बर्स ने कहा कि एयरलाइन ने गुरुवार को 2,200 उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले दो हफ्ते काफी चुनौतीपूर्ण रहे। उन्होंने कहा कि हमें अब तीन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिए- लचीलापन, समस्या का कारण और पुनर्निर्माण।

दिल्ली में प्रदूषण पर सख्ती, आज से नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम लागू

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार के नए उपायों के तहत गुरुवार से नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम लागू होगा। इसके अलावा, दिल्ली में बाहर से आने वाली गाड़ियों में सिर्फ बीएस-6 मानक वाली गाड़ियां ही प्रवेश कर सकेंगी। कंस्ट्रक्शन मटीरियल ले जाने वाले ट्रकों पर बैन जारी रहेगा। दरअसल, ग्रैप के नियमों के तहत निर्माण कार्य पर रोक जारी है और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। राजधानी में प्रदूषण से हालात काफी खराब हैं, जिसके चलते दिल्ली सरकार ने गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण, धूल, कचरा और ट्रैफिक जाम को टारगेट करते हुए इमरजेंसी और लॉन्ग-टर्म उपायों का एक बड़ा सेट घोषित किया है।

ट्रेन में प्लेन वाला रूल, एक्स्ट्रा लगेज पर अब देना होगा अधिक भुगतान

नई दिल्ली एजेंसी।

ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अहम खबर है। अब रेल यात्रा के दौरान तय सीमा से अधिक सामान ले जाने पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। रेलवे ने स्पष्ट कर दिया है कि बैगेज नियमों को लेकर सख्ती की जाएगी, ठीक उसी तरह जैसे हवाई यात्रा में लागू होती है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रेन में तय सीमा से ज्यादा सामान ले जाने पर शुल्क लिया जाएगा। यह जानकारी उन्होंने सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में दी। इस सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने एक्स्ट्रा लगेज पर शुल्क देने की बात कही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा

कि अभी के समय में कंपार्टमेंट में यात्री द्वारा अपने साथ ले जाने वाले सामान की श्रेणीवार अधिकतम सीमा तय की गई है।

क्लास के अनुसार सामान ले जाने की सीमा संसद में पेश आंकड़ों के अनुसार- सेकंड क्लास यात्री बिना शुल्क अधिकतम 35 किलोग्राम सामान ले जा सकते हैं। जरूरत पड़ने पर 70 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति है, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त शुल्क देना होगा। स्लीपर क्लास यात्रियों को 40 किलोग्राम तक सामान मुफ्त ले जाने की छूट है। निर्धारित शुल्क देकर 80 किलोग्राम तक सामान ले जाया जा सकता है।

इन श्रेणियों में सफर करने वाले यात्री अधिकतम 40 किलोग्राम तक ही सामान ले जा सकते हैं, और यही अंतिम सीमा तय की गई है। रेलवे के इस फैसले से यात्रियों को यात्रा से पहले अपने सामान की योजना बनानी होगी, ताकि अतिरिक्त शुल्क से बचा जा सके।

शिल्पा शेट्टी के आलीशान बैस्टियन पब पर इनकम टैक्स का छापा, टैक्स चोरी के आरोपों से मचा हड़कंप

बेंगलुरु ,बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के स्वामित्व वाले बेंगलुरु स्थित मशहूर पब 'बैस्टियन' पर आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शहर के पॉश इलाके सेंट मार्क्स रोड पर स्थित इस हाई-प्रोफाइल पब पर सुबह-सुबह ही आईटी अधिकारियों की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई टैक्स चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों को लेकर की गई है, जिससे ग्लैमर जगत और बिजनेस गलियारों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग के 10 से अधिक अधिकारियों की एक विशेष टीम ने सुबह ही पब परिसर में पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। अधिकारियों ने पब के अंदर मौजूद दस्तावेजों, बही-खातों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड्स।

2024-25 में भारतीय फार्मा निर्यात में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि : केंद्र

नई दिल्ली वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि मजबूत विनिर्माण आधार और बढ़ते वैश्विक विस्तार के कारण भारत का दवा निर्यात 2024-25 में 30.47 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। दवा निर्यात पर एक दिवसीय क्षेत्रीय चिंतन शिविर का उद्घाटन करते हुए वाणिज्य सचिव ने बताया कि भारत का घरेलू दवा बाजार वर्तमान में लगभग 60 अरब डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र के विशाल आकार, व्यापकता और नवाचार क्षमता को देखते हुए, बाजार के 2030 तक लगभग 130 अरब डॉलर तक होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव ने रेखांकित किया कि भारत आज मात्रा के हिसाब से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के हिसाब से चौदहवां सबसे बड़ा दवा उत्पादक है, जिसमें 3,000 से अधिक कंपनियां, 10,500 विनिर्माण इकाइयां और 60 चिकित्सीय क्षेत्रों में 60,000 से अधिक जेनेरिक ब्रांड शामिल हैं। भारतीय दवाएं विश्व स्तर पर 200 से अधिक बाजारों तक पहुंचती हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक निर्यात सख्त नियामक व्यवस्था वाले देशों को होता है। भारत के दवा निर्यात में अमेरिका का हिस्सा लगभग 34 प्रतिशत है, जबकि यूरोप का हिस्सा लगभग 19 प्रतिशत है। चिंतन शिविर के दौरान हुई चर्चाओं का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों, विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), को भारत के विकसित होते अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं सहयोग ढांचे के प्रति जागरूक करना और औषधि निर्यात से संबंधित नीतिगत, नियामकीय और क्षमता-निर्माण पहलों के बारे में उद्योग जगत की जागरूकता बढ़ाना था।

विदेश | क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम

भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम

वाशिंगटन एजेंसी।

भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।

रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है। उन्होंने कहा, अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है।

व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ।

ये 21वीं सदी का भारत है, ओमान में प्रवासी भारतीयों को पीएम मोदी का संदेश

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओमान में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा है कि 21वीं सदी का भारत साहसिक और त्वरित फैसले लेता है, महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखता है, और तय समय सीमा के भीतर नतीजे ला कर दिखाता है। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय और छात्रों के सामने यह भी कहा कि यह सभा भारत की विविधता में एकता की भावना को दर्शाती है। इससे पहले ओमान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से सम्मानित किया है। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने गुरुवार को मस्कट में प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा।

भारत-ओमान बिजनेस समिट में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज हम एक ऐतिहासिक फैसला ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले दशकों तक सुनाई देगी. कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट यानि सीईपीए 21वीं सदी में हमें नए भरोसे और नई ऊर्जा से भर देगा. यह हमारे साझा भविष्य का एक ब्लूप्रिंट है. इससे हमारा व्यापार बढ़ेगा, निवेश को नया भरोसा मिलेगा और हर सेक्टर में अवसरों के नए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने दोनों देशों के बिजनेस लीडर्स से अपील की कि वह समिट से मिले अवसर का इस्तेमाल करके व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करें. उन्होंने ने आगे कहा कि हमारे लोग एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं. हमारे बिजनेस संबंधों में पीढ़ियों का भरोसा है और हम एक-दूसरे के बाजारों को बहुत अच्छी तरह समझते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि यह समिट भारत-ओमान की साझेदारी को मजबूत करेगी और एक नई दिशा देगी. ये सब कुछ बिजनेस लीडर्स की बड़ी भूमिका के बिना नहीं हो सकता.

समुद्री व्यापार के जमाने से हैं हम साथ - पीएम मोदी ने बिजनेस लीडर्स से कहा कि वह भारत-ओमान व्यापार विरासत के उत्तराधिकारी हैं, जिसका सदियों का शानदार इतिहास रहा है. उन्होंने कहा कि सभ्यता की शुरुआत से ही हमारे पूर्वज एक-दूसरे के साथ समुद्री व्यापार करते आ रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा- 'मांडवी और मस्कट के बीच अरब सागर एक मजबूत पुल बन गया है. आज हम भरोसे के साथ कह सकते हैं कि समुद्र की लहरें बदल सकती हैं, मौसम बदल सकते हैं, लेकिन भारत-ओमान की दोस्ती हर मौसम में और मजबूत होती है और हर लहर के साथ नई ऊंचाइयों को छूती है.'

हिजाब विवाद पाकिस्तान पहुंचा, नीतीश कुमार को पाकिस्तान द्वारा धमकी, मुख्यमंत्री की सुरक्षा बढ़ाई गई

नईदिल्ली,एजेंसी

बिहार प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सरकारी कार्यक्रम में मुस्लिम महिला का हिजाब हटाने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है। इस मामले में वह पाकिस्तान भी उतर आया है, जहां अल्पसंख्यक महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बहुत चिंताजनक है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप प्रधान मंत्री इशाक डार ने इस घटना की निंदा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डार ने इस घटना को शर्मनाक बताया है।इस संबंध में कहा कि यह अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा करने और इस्लामोफोबिया की बढ़ती लहर को रोकने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है।

जबकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को यह बात कही। भारतीय राज्य बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा एक मुस्लिम महिला के साथ दुर्व्यवहार की हालिया घटना के बारे में बात करते हुए, अंद्राबी ने कहा कि एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता द्वारा मुस्लिम महिला का हिजाब जबरदस्ती हटाना और उसके बाद इस कृत्य का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ाना बहुत परेशान करने वाला है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश राज्य के एक मंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से घटना का मजाक उड़ाने की भी निंदा किया। वहीं पाकिस्तान के डॉन शहजाद भट्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा. भट्टी ने वीडियो में कहा, बिहार में जो हुआ वह सबने देखा. एक बड़े पद पर बैठा व्यक्ति एक मुस्लिम महिला के साथ इस तरह का व्यवहार करता है।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर ड्रेगन फरूट की राह पर साहिल, कम पानी, अधिक संभावनाएँ : ड्रेगन फरूट की ओर बढ़ते

रायपुर।

कम पानी, अधिक संभावनाएँ: ड्रेगन फरूट की ओर बढ़ते कदम धमतरी जिले के ग्राम बगौद के प्रगतिशील किसान श्री साहिल बैस आधुनिक और लाभकारी खेती की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने परंपरागत फसलों से आगे बढ़ते हुए अपने खेत में ड्रेगन फरूट (Dragon Fruit) की खेती अपनाई है। वर्तमान में श्री बैस ने लगभग दो एकड़ क्षेत्र में ड्रेगन फरूट का रोपण किया है, जो जिले में नवाचारी बागवानी का सशक्त उदाहरण है। यह कैक्टस परिवार का पौधा है।

किसान साहिल बैस बताते हैं कि ड्रेगन फरूट की खेती उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से शुरू की। एक एकड़ में लगभग 1600–1800 पौधे कटिंग कर सीमेंट/लोहे के खंभों पर चढ़ाकर उगाया । प्रारंभिक वर्ष में संरचना निर्माण, पौध क्रय एवं देखरेख पर निवेश अधिक होने के कारण पिछले वर्ष नो प्रॉफिट-नो लॉस की स्थिति रही, किंतु पौधों के परिपक्व होने के साथ ही आने वाले वर्षों में अच्छा मुनाफा मिलने की पूरी संभावना है।

पैदावार और मुनाफा: औसत उत्पादन: 8-10 टन प्रति एकड़ 7 बाजार भाव: ?150 से ?300

प्रति किलो (सीजन व गुणवत्ता पर निर्भर)लागत पहले वर्ष अधिक, बाद के वर्षों में मुनाफा बढ़ता है

उत्पादन कब शुरू होता है – रोपण के 12-18 महीने बाद फल आना शुरू होता है । 20-25 साल तक उत्पादन देता है एक पौधे से 3-5 किलो फल/वर्ष (अच्छी देखभाल में अधिक)

कृषक बैस ने खेत में ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाई है, जिससे पानी की बचत के साथ-साथ पौधों को आवश्यकतानुसार नमी मिलती है। यह फसल जल संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। सामान्यतः 7-10 दिन में हल्की सिंचाई पर्याप्त रहती है, जिससे सिंचाई लागत कम होती है।

ड्रेगन फरूट की खेती में अच्छी जल निकास वाली रेतीली-दोमट मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है। यह फसल उष्ण एवं अर्ध-शुष्क जलवायु में अच्छी तरह पनपती है। रोपण के लगभग 12 से 18 माह बाद पौधों में फल आना शुरू हो जाता है, जबकि 3-4 वर्षों में पूर्ण उत्पादन क्षमता प्राप्त हो जाती है। एक पौधे से औसतन 3 से 5 किलोग्राम फल प्राप्त किया जा सकता है। बाजार की बात करें तो ड्रेगन फरूट की शहरी एवं स्वास्थ्य-सचेत उपभोक्ताओं में तेजी से मांग बढ़ रही है। यह फल पोषक तत्वों, फाइबर एवं एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण उच्च मूल्य पर बिकता है। वर्तमान में स्थानीय बाजारों के साथ-साथ थोक व्यापारियों से भी अच्छे दाम मिलने की संभावना रहती है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। रख-रखाव की दृष्टि से यह फसल अपेक्षाकृत कम रोग-कीट प्रभावित होती है। समय-समय पर छंटाई, सहारा व्यवस्था (पिलर सिस्टम) एवं जैविक खाद का उपयोग कर उत्पादन को और बेहतर बनाया जा सकता है। किसान साहिल बैस की यह पहल जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सिद्ध करता है कि यदि किसान आधुनिक तकनीक, कम पानी वाली फसलें एवं बाजार मांग को ध्यान में रखकर खेती करें, तो कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सकता है। ड्रेगन फरूट जैसी उन्नत बागवानी फसलें भविष्य में किसानों की आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकती हैं।

बीते दिनों कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने ड्रेगन फरूट की खेती देखी । किसान साहिल का उत्साहवर्धन किया। श्री साहिल बैस की यह पहल जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सिद्ध करता है कि यदि किसान आधुनिक तकनीक, कम पानी वाली फसलें एवं बाजार मांग को ध्यान में रखकर खेती करें, तो कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सकता है। ड्रेगन फरूट जैसी उन्नत बागवानी फसलें भविष्य में किसानों की आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकती हैं।

लाला जगदलपुरी के साहित्य सृजन से

जगदलपुर । अपनी कालजयी रचनाओं से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश और बस्तर अंचल का गौरव बढ़ाने वाले साहित्यकार स्वर्गीय लाला जगदलपुरी की जयंती आज 17 दिसम्बर को उनके गृह नगर जगदलपुर में मनाई गई। आज अगर वे इस भौतिक संसार में होते तो अपनी जीवन यात्रा के 105 साल पूर्ण करके 106 वें साल में प्रवेश कर चुके होते. उनकी जयंती पर आज शासकीय जिला ग्रंथालय जगदलपुर में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ स्थानीय साहित्यकारों और प्रबुद्ध नागरिकों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।यह आयोजन बस्तर (जगदलपुर)जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया.लालाजी का जन्म 17 दिसम्बर 1920 को जगदलपुर में हुआ था और निधन भी 14 अगस्त 2013 को जगदलपुर में हुआ। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2021 में अपने इस ग्रंथालय का नामकरण लाला जी के नाम पर किया जा चुका है। आज वहाँ लालाजी की जयंती के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नगर निगम जगदलपुर के सभापति खेमसिंह देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने साहित्यकारों और प्रबुद्ध जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लाला जगदलपुरी जी को याद करना बस्तर की साहित्यिक आत्मा को याद करना है, क्योंकि लाला जगदलपुरी के विपुल साहित्य सृजन से बस्तर सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ समृद्ध हुआ है। श्री देवांगन ने कहा कि लाला जी का साहित्य एक वैचारिक आंदोलन की तरह रहा है .उन्होंने अपनी लेखनी से बस्तर की माटी को आकार दिया है। श्री देवांगन ने इस अवसर पर बस्तर अंचल के युवाओं से लाला जगदलपुरी जी की रचनाओं को समग्रता से पढ़ने और मनन करने का आग्रह किया ।इस अवसर पर कवि हिमांशु शेखर झा ने कहा कि लाला जगदलपुरी बस्तर के लोक जीवन और यहाँ की माटी से जुड़े रचनाकार थे, उन्होंने बस्तर के जीवन को जी कर साहित्य सृजन किया । कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि और पत्रकार विजय सिंह ने लाला जगदलपुरी की प्रकाशित किताबों की चर्चा करते हुए कहा कि लालाजी आम जनता के साहित्यकार थे। इसलिए वे अपने जीवन को बस्तर के जन -जीवन को आत्मसात कर सके। इस अवसर पर लाला जगदलपुरी के भतीजे और साहित्यकार विनय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि लाला जगदलपुरी जी की अप्रकाशित कृतियों पर उन्हें शोध करना पड़ा तब जाकर उनकी कृतियों का प्रकाशन संभव हो सका।

आयोजन में पद्मश्री सम्मानित धर्मपाल सैनी सहित योगेन्द्र मोतीवाला, गंगाराम कश्यप, सनत जैन और अर्जुन श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल और जिला ग्रंथालय के प्रभारी सूरज निर्मलकर ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। लालाजी पर केंद्रित इस कार्यक्रम में जगदलपुर के साहित्यकार शरद चंद्र गौड़, सरिता सिंह, सुषमा झा, नरेंद्र पाढ़ी, सनत जैन, खुदेजा खान, नवनीत कमल, निशा शुक्ला, सुधा परमार, ऋषि शर्मा सहित अनेक रचनाकार और प्रबुद्ध जन उपस्थित थे। अनेक स्थानीय कवियों ने काव्य -पाठ भी किया ।

टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों के लिए विशेष रोगी सहायता हेतु बैठक का आयोजन

कोंडागांव । कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों के लिए पहली बार एक विशेष रोगी सहायता समूह बैठक 19 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोण्डागांव में आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रहे बच्चों तथा उनके अभिभावकों को रोग से संबंधित सही जानकारी प्रदान करना है। इसमें नियमित उपचार, इंसुलिन प्रबंधन, संतुलित खानपान, स्कूल में देखभाल, मानसिक एवं भावनात्मक सहयोग तथा दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इसमें यूनिसेफ स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र सिंह, जिला नोडल अधिकारी, गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. ममता ठाकुर एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भावजा महलवार के समन्वय से बैठक संपन्न होगी। बैठक में गैर

संचारी रोग सेल के अधिकारीगण, यूनिसेफएवं एनसीसीआर के प्रतिनिधि तथा विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहेंगे। भारत में टाइप-1 डायबिटीज के मामलों में निरंतर बढ़ोतरी को देखते हुए यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत उन देशों में शामिल है जहाँ बच्चों में इस बीमारी का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। समय पर पहचान, नियमित उपचार और उचित जागरूकता के अभाव में यह रोग बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। ऐसे में कोण्डागांव जिले में पहली बार आयोजित यह रोगी सहायता समूह बैठक प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा एवं आवश्यक अवसर प्रदान करेगी। जिला स्वास्थ्य समिति ने टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित सभी बच्चों एवं उनके परिवारों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों, ताकि वे उपचार, देखभाल एवं स्वस्थ जीवनशैली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकें और अपने बच्चों के जीवन को सुरक्षित एवं बेहतर बना सकें।

आईसीएआर-निब्सम में स्वच्छता जागरूकता दिवस पर अपशिष्ट प्रबंधन पर संगोष्ठी, 'कचरे से संपदा' पर जोर

रायपुर । स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत संसाधन प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-निब्सम), रायपुर में स्वच्छता जागरूकता दिवस के अवसर पर कचरे से संपदा में परिवर्तन और सभी प्रकार के अपशिष्टों का सुरक्षित निपटान विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप आयोजित किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य वैज्ञानिकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सतत एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों में बदलने, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में तकनीकी व्याख्यान अमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, अमिटी विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ की सहायक प्राध्यापक डॉ. अमिता शाक्य ने दिया। उन्होंने कृषि-खाद्य प्रसंस्करण अपशिष्टों के प्रभावी प्रबंधन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बायोचार जैसी नवाचारी तकनीकों की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अपशिष्ट रूपांतरण न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य में सुधार और परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) को भी बढ़ावा देता है। अतिथि वक्ता का औपचारिक स्वागत डॉ. श्रावणी सान्याल द्वारा किया गया। उन्होंने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को संस्थानों में स्वच्छता और जिम्मेदार अपशिष्ट निपटान की संस्कृति विकसित करने के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएआर-निब्सम के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संस्थान के सभी सदस्यों से स्वच्छता, अपशिष्ट न्यूनीकरण और पुनर्चक्रण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र जुगानीकलार का किया निरीक्षण, दिये निर्देश लिया

कोण्डागांव। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को धान उपार्जन की पारदर्शी, सुचारू एवं परेशानी मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को फरसगांव विकासखंड स्थित धान उपार्जन केंद्र जुगानीकलार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में चल रही धान खरीदी की स्थिति का जायजा लिया और शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान टोकन वितरण व्यवस्था, बारदाना की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र, डनेज व्यवस्था सहित धान की सुव्यवस्थित स्टैकिंग की जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधन को निर्देशित किया कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जाएं। कलेक्टर पन्ना ने धान बेचने आए किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। उन्होंने समिति के स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो और शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार ही खरीदी की जाए। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश नेताम, तहसीलदार जय नाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बोरगांव में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

कोण्डागांव, संवाददाता। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को फरसगांव विकासखंड के ग्राम बोरगांव में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां सुव्यवस्थित रखने के साथ बच्चों के दो ड्रेस की उपलब्धता, बच्चों के मनोरंजन के लिए टीवी एवं खेल सामग्रियों को नियमित गतिविधि और सुसज्जित आंगनबाड़ी केंद्र प्रतियोगिता मे बेहतर प्रदर्शन करने हेतु कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने पोस्ट विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में जिन बच्चों का आधार कार्ड नहीं बन पाया है उनका रोस्टर बनाकर शत प्रतिशत बच्चों का आधार बनाने और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बच्चियों के खाता खुलवाने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश, बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र सोनी सहित जनपद सीईओ रूपेश नेताम, तहसीलदार जय नाग भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन का आमंत्रण

लोकशक्ति। संवाददाता।

रायपुर।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में विधायक श्री मोतीलाल साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बलौदाबाजार जिले के ग्राम खरतोरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया तथा आयोजन की प्रतीकात्मक टी-शर्ट भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि

इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि कार्यक्रम के दौरान भारतीय सेना, पुलिस तथा सीमा सुरक्षा बल के जवानों को सम्मानित किया जाएगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में सतत रूप से समर्पित जवानों का सम्मान करना पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि फिटनेस, अनुशासन और देशभक्ति जैसे मूल्यों को एक मंच पर जोड़ने वाले ऐसे आयोजन स्वस्थ, सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़ की पुनर्वास नीति से लौटी उम्मीदें, सुकमा में आत्मसमर्पित माओवादियों को मिला सम्मानजनक जीवन

75 को 5जी स्मार्टफोन, 25 को मेसन किट का वितरण

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील और दूरदर्शी नक्सल पुनर्वास नीति ज़मीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण बन रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के स्पष्ट निर्देशों एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के नक्सल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आत्मसमर्पण करने वाल 25 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट इस क्रम में 75 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अत्याधुनिक 5G स्मार्टफोन तथा 25 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट वितरित की गई। यह कार्यक्रम कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। 75 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अत्याधुनिक 5त्त

स्मार्टफोन कार्यक्रम के दौरान 75 पुनर्वासित युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी एम06 5जी स्मार्टफोन प्रदान किए गए, जिनमें 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा तथा 5000 एमेज फास्ट-चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन स्मार्टफोनों के माध्यम से युवा अब डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों, सरकारी योजनाओं तथा देश-दुनिया की जानकारी से सहजता से जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही 25 पुनर्वासित युवाओं को मेसन किट प्रदान कर निर्माण क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह पहल प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित अन्य विकास कार्यों के लिए कुशल श्रमशक्ति तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आत्मसमर्पण करने वाले लोगों स्वरोजगार के नए अवसरों उपलब्ध कराने संकल्पित जिला प्रशासन ने बताया कि नक्सल पुनर्वास को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रखते हुए इसे आत्मनिर्भरता, सम्मान और सामाजिक समावेशन से जोड़ा जा रहा है। 5जी स्मार्टफोन के माध्यम से पुनर्वासित युवा अब ऑनलाइन प्रशिक्षण, आधुनिक कृषि तकनीकों, छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार के नए अवसरों को समझने और अपनाने में सक्षम होंगे।आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी लोगों स्वरोजगार के नए अवसरों उपलब्ध कराने सरकार संकल्पित है पुनर्वासित युवाओं ने साझा किए अनुभव पोलमपल्ली निवासी पुनर्वासित पोड़ियम भीमा ने बताया कि वे लगभग 30 वर्षों तक डीवीसी सदस्य के रूप में संगठन से जुड़े रहे। पुनर्वास के बाद उन्हें बेहतर आवास, भोजन और प्रशिक्षण की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि वे राजमिस्त्री के साथ-साथ इलेक्ट्रीशियन और मैकेनिक का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर चुके हैं।

31 दिसंबर को रायपुर के सोनपैरी गांव में विशाल हिंदू सम्मेलन

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत करेंगे संबोधित

रायपुर। लोकशक्ति

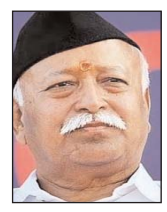

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का 31 दिसंबर को रायपुर आगमन प्रस्तावित है। वे अभनपुर स्थित सोनपैरी गांव में आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन 31 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ होगा।

आयोजन समिति के अनुसार, इस सम्मेलन में राष्ट्रीय संत असंग देव जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में संत, समाजसेवी और आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और आयोजन स्थल पर सुरक्षा, यातायात और बैठने की समुचित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सम्मेलन के सुचारु संचालन के लिए हिन्दू सम्मेलन समिति की टीम तैनात रहेगी।

आयोजन समिति की ओर से सभी सनातनी और हिंदू भाई-बहनों से आग्रह किया गया है कि वे इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। साथ ही, किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए कार्यक्रम स्थल पर समय से पूर्व पहुंचने की अपील की गई है।

फर्जी रेल टिकटों का बढ़ता जाल : केवल अधिकृत माध्यमों से ही खरीदें रेल यात्रा टिकट

प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने किया फर्जी टिकट पकड़ने वाले टिकट परीक्षकों को सम्मानित

लोकशक्ति । संवाददाता।

रायपुर ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को फर्जी रेल टिकटों के बढ़ते मामलों के प्रति चेतावनी के साथ साथ अपील करता है कि वे केवल अधिकृत स्रोतों से ही टिकट खरीदें । हाल के दिनों में दलालों एवं अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा यात्रियों को गुमराह करने के कई मामले सामने आए हैं । हाल ही में ट्रेन संख्या 12833 (नागपुर-गोंदिया) में टिकट जांच के दौरान 3 यात्रियों को फर्जी टिकटों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया । जांच के दौरान जब यात्रियों में से एक ने उस दलाल से संपर्क करने का प्रयास किया, जिससे टिकट खरीदा गया था, तो फर्जीवाड़े का खुलासा होते ही दलाल ने तुरंत अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। इस मामले में जीआरपी, गोंदिया द्वारा रेलवे अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। इस सतर्क कार्रवाई के लिए प्रवीन पाण्डेय, प्रधान मुख्य वाणि'य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इंद्रजीत कुमार, उप मुख्य टिकट निरीक्षक (डीवाई. सीटीआई), गोंदिया तथा श्री मिथिलेश कुमार वर्मा, वरिष्ठ टिकट परीक्षक (सीनियर टीटीई), गोंदिया को उनके सराहनीय एवं सतर्क कार्य के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया है। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि दलाल पीएनआर में छेड़छाड़ कर तथा टिकट पीडीएफ में हेरफेर करके ऐसे नकली टिकट तैयार करते हैं, जो सामान्य यात्री को पूरी तरह असली प्रतीत होते हैं । इस प्रकार की धोखाधड़ी न केवल यात्रियों को आर्थिक क्षति पहुंचाती है, बल्कि रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और संचालन को भी प्रभावित करती है । फर्जी टिकट के साथ यात्रा करते पाए जाने पर यात्री के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है तथा यात्रा से भी वंचित किया जा सकता है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से दृढ़ अपील करता है कि वे यात्रा टिकट केवल रेलवे पीआरएस काउंटरों, आईआरसीटीसी की अधिकृत वेबसाइट (www.irctc.co.in), आधिकारिक आईआरसीटीसी मोबाइल ऐप अथवा आईआरसीटीसी द्वारा अधिकृत एजेंटों से ही खरीदें । दलालों, अनधिकृत एजेंटों या स्टेशन परिसरों में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों से टिकट खरीदना आपके लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है । रेल प्रशासन द्वारा टिकट जांच को और अधिक सख्त किया जा रहा है तथा यात्रा के दौरान संदिग्ध टिकटों से संबन्धित जानकारी भी ली जा रही है और दलालों के विरुद्ध निरंतर एवं कड़ी कार्रवाई की जा रही है । किसी भी संदिग्ध टिकट विक्रेता या गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे अधिकारियों को दें । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है ।

तत्काल टिकट बुकिंग हेतु यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों पर ओटीपी सुविधा लागू

रायपुर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों पर तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। यह सुविधा 18 दिसंबर 2025 से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से प्रारंभ होने 06 ट्रेनो के लिए पीआरएस काउंटरों पर प्रभावी होगी। ओटीपी आधारित इस व्यवस्था के अंतर्गत, तत्काल टिकट बुकिंग के समय यात्री के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा, जिसे दर्ज करने के पश्चात ही टिकट बुक किया जा सकेगा।

इससे फर्जी बुकिंग, बॉट्स के दुरुपयोग एवं अनधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित होगा तथा वास्तविक यात्रियों को अधिक लाभ मिलेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से प्रारंभ होने वाली जिन ट्रेनों में यह सुविधा लागू की गई है, वे इस प्रकार हैं:

1. 20423 - पातालकोट एक्सप्रेस
2. 12853 - अमरकंटक एक्सप्रेस
3. 18234 - नर्मदा एक्सप्रेस
4. 19344 - पंचवेली एक्सप्रेस
5. 18241 - दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस
6. 18242 - अंबिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस

रेलवे प्रशासन द्वारा इसके लिए सभी मंडलों को निर्देशित किया गया है, कि इस नई व्यवस्था की तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि पीआरएस काउंटरों से तत्काल टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, सरल एवं भरोसेमंद टिकटिंग सुविधा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

अपर कलेक्टर नम्रता जैन को भावभीनी विदाई, नारायणपुर कलेक्टर के रूप में मिली नई जिम्मेदारी

बस्तर क्षेत्र में कार्य करना सौभाग्य की बात - कलेक्टर

रायपुर । आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में अपर कलेक्टर नम्रता जैन को उनके नवीन दायित्व के लिए भावभीनी विदाई दी गई। श्रीमती जैन को नारायणपुर जिले में कलेक्टर के रूप में नई जिम्मेदारी मिली है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि किसी भी अधिकारी के लिए छत्तीसगढ़ कैडर मिलना सौभाग्य की बात है और बस्तर क्षेत्र में कलेक्टर के रूप में सेवा का अवसर मिलना उससे भी बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीमती जैन को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहां कार्य करने की व्यापक संभावनाएं हैं और वे अपने अनुभव व क्षमता से इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगी। श्रीमती नम्रता जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि रायपुर जिले में विभिन्न दायित्वों में कार्य करने का उन्हें महत्वपूर्ण अवसर मिला। अपर कलेक्टर के रूप में धान खरीदी, राजस्व मामलों सहित कई क्षेत्रों में काम करने से उन्हें सीखने का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने कलेक्टर डॉ सिंह तथा जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा गुरु घासीदास जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

मनखे-मनखे एक समान का संदेश बाबा गुरु घासीदास जी की अमर विरासतः सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध चेतना के अग्रदूत थे बाबा गुरु घासीदास जी - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

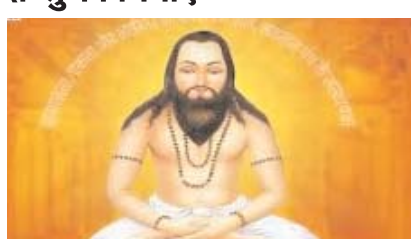

रायपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक बाबा गुरु घासीदास जी की 18 दिसम्बर को जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने अपने दिव्य उपदेशों और आचरण से समाज को सत्य, अहिंसा, समानता और सामाजिक सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर किया। उनका अमर संदेश मनखे-मनखे एक समान केवल एक विचार नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला ऐसा जीवन-दर्शन है, जो भेदभाव रहित, न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की मजबूत नींव रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी ने छत्तीसगढ़ की धरती पर सामाजिक एवं आध्यात्मिक जागरण की सुदृढ़ आधारशिला रखी। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, असमानताओं और अंधविश्वासों के विरुद्ध चेतना जगाते हुए नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की और जनमानस को आत्मसम्मान एवं मानवीय गरिमा का बोध कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा जी का जीवन-दर्शन करुणा, सहिष्णुता, प्रेम, सत्यनिष्ठा और परस्पर सम्मान जैसे मानवीय गुणों के विकास का मार्गदर्शक है। उनके विचार और आदर्श समय की कसौटी पर खरे उतरते हुए आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और वर्तमान समाज के लिए प्रेरणा का सशक्त स्रोत बने हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सामाजिक समरसता, शांति और सौहार्द के साथ एक समृद्ध एवं समावेशी छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

21 दिसंबर को पोलियो पर वार, 3 दिन चलेगा पोलियो अभियान, राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बैठक में तैयारियों की समीक्षा, व्यापक प्रचार पर जोर

रायपुर। संवाददाता

पोलियो दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में पोलियो अभियान का आयोजन 21 से 23 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। अभियान के पहले दिन 21 दिसंबर को प्रदेशभर में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। 22 व 23 दिसम्बर को पोलियो की खुराक से छूटे हुए बच्चों को घर घर जाकर खुराक दी जायेगी। अभियान के सुचारु संचालन को लेकर बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर में राज्य स्तरीय टीकाकरण टास्क फोर्स समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पल्स पोलियो अभियान में कोई भी बच्चा छूटने न पाए। इसके लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार, घर-घर पहुंच और संवेदनशील इलाकों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि 21 दिसंबर को अभियान की सफलता पूरे कार्यक्रम की दिशा तय करेगी। बैठक में डॉ. संजीव कुमार झा (संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं), डॉ. निर्मला यादव (संयुक्त संचालक, आरसीएच), श्री डी. एस. मरावी (महिला एवं बाल विकास विभाग), बी. एल. देवांगन (लोक शिक्षण विभाग), निशा सिंह (यूएनडीपी), नितिन पाटिल विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विभागीय समन्वय के साथ 21 दिसंबर को अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।बैठक में उप संचालक एवं राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ वी. आर. भगत ने समिति को अभियान की संपूर्ण रूपरेखा, माइक्रो प्लानिंग, बूथ व्यवस्था, मोबाइल टीमों, ट्रांजिट टीमों और निगरानी तंत्र की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान तीन दिनों तक चलाया जाएगा, ताकि छूटे हुए बच्चों को भी कवर किया जा सके।

दो वर्ष की निरंतर सेवा, निरंतर विकास की दिशा में एक और पहल : मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉफी टेबल बुक्स का किया विमोचन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज शाम नवीन विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में दो साल निरंतर सेवा,निरंतर विकास की भावना को समर्पित छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाने वाली जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित आठ कॉफी टेबल बुक्स का विमोचन किया गया। इनमें बस्तर दशहरा (हिन्दी), बस्तर दशहरा (अंग्रेजी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (हिन्दी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (अंग्रेजी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात (हिन्दी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात (अंग्रेजी),बैगा टैटू (हिन्दी) और बैगा टैटू (अंग्रेजी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये कॉफी टेबल बुक्स छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं, आदिवासी कला और प्राकृतिक विरासत को देश-विदेश तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कृषि विवि के विद्यार्थियों को मिला सहाकारिता का ज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय में सहकारिता पर प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) द्वारा कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सहकारिता व कृषि क्षेत्र से जुड़े विषयों पर अपने ज्ञान एवं कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के पश्चात विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मोनिका नायक ने प्रथम, अनुष्का चौरसिया ने द्वितीय तथा किशन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में गरिमा झा प्रथम, रूपाली साहू द्वितीय एवं अनुष्का चौरसिया तृतीय रहीं। निबंध प्रतियोगिता में तेजश्री ने प्रथम, ऋचा विशाल शर्मा ने द्वितीय तथा कुसुम सरकार ने तृतीय स्थान हासिल किया। समारोह में राज्य मुख्य अधिकारी, नैफेड श्री संजय कुमार सिंहने अपने संबोधन में कहा कि नैफेड किसानों के हित में देशभर में अनेक योजनाओं का संचालन कर रहा है। उन्होंने बताया कि नैफेड के माध्यम से किसानों द्वारा निर्मित स्टोरेज हाउस को किराए पर देकर उनकी आय बढ़ाई जा सकती है, जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश चंदेल ने नैफेड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्था अब केवल अनाज एवं दलहन की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि आयात-निर्यात के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) कृषि क्षेत्र संयुक्त रूप से कार्य करेंगे, जिससे पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और मानव रोगों में कमी आएगी। विशिष्ट अतिथि श्री रघुवीर सिंह रघुवंशी, निदेशक, नैफेड ने सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे के समन्वय से किया गया।

कौशल विकास एवं उच्च शिक्षा संस्थानों की समीक्षा बैठक आयोजित

धमतरी । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में बीते दिन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कौशल विकास, रोजगार, आजीविका, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई सहित जिले के उच्च शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित शैक्षणिक एवं कौशल विकास संस्थानों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विद्यार्थियों के हित में संचालित कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि महाविद्यालयों में आवश्यक आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने हेतु हॉस्टल, आधुनिक लाइब्रेरी, सुसज्जित लैबोरेटरी, ऑडिटोरियम एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर सक्षम स्तर पर भेजे जाएं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सड़क दुर्घटना में कुचल गया था चेहरा, सिम्स में हुआ ईलाज सड़क दुर्घटना में कुचल गया था चेहरा,

10 प्लेट्स और 35 स्क्रू से हड्डी को फिर से जोड़ा गया

रायपुर। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 19 वर्षीय नंदकुमार पटेल निवासी ग्राम मुरली तहसील पाली जिला कोरबा को ईलाज के लिए पिछले दिनों सिम्स अस्पताल लाया गया। जांच में यह बात सामने आई कि युवक के दाएं तरफके चेहरे की सारी हड्डियां चकना-चूर हो गई थी। चेहरा पूरी तरह से छत-विछत हो गया था । अतः मरीज के ईलाज के लिए चेहरे का सीटी स्केन कराया गया । आवश्यक सभी खून जांच व सीटी स्केन करने के बाद मरीज का आपरेशन करने का निर्णय लिया गया ,क्योंकि दुर्घटना के दौरान अत्याधिक रक्त स्राव हो जाने के कारण आपरेशन के दौरान भी खून चढ़ाया गया।

यह आपरेशन अत्याधिक जटिल होने के कारण 6 से 7 घंटे चला, इस आपरेशन की खास बात यह है कि मरीज के चेहरे का ध्यान रखते हुए सिर में एक चीरा लगाया गया जिसे हेमीकोरोनल इनसीजन कहते है , दूसरा चीरा आंख के अन्दर से लगाया गया। इस सर्जरी की खास बात यह है कि चेहरे पर एक भी चीरा नहीं लगाया गया जिससे युवक की चेहरा खराब नहीं हुआ सामान्य जीवन जीने में मदद मिलेगी। हड्डियों को जोड़ने के लिए यह एक नई पद्धति है जिसमें चेहरे के ऊपर एक भी चीरा का निशान नहीं पड़ता है। इन टूटी हुए हड्डियों को जोड़ने के लिए 10 प्लेट्स और 35 स्क्रू का इस्तेमाल करना पड़ा जिससे मरीज के हड्डियों को अपने सही जगह में स्थापित किया जा सका। इस आपरेशन को सफल बनाने में दंत रोग विभाग, एनेस्थीसिया विभाग एवं रेडियोलाजी विभाग के चिकित्सकों की टीम बनाई गई थी। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस आपरेशन की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान सिम्स के डीन, अधीक्षक तथा सभी चिकित्सकों के कार्य की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया है।

वंदे मातरम् की गौरव गाथा का स्मरण हर भारतीय के लिए गर्व का विषय - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा में आयोजित विशेष चर्चा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वंदेमातरम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वंदे मातरम् देशप्रेम का वह जज्बा था जिसकी गूंज से ब्रिटिश हुकूमत तक कांप उठती थी। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह उद्घोष करोड़ों भारतीयों के हृदय में साहस, त्याग और बलिदान की अग्नि प्रज्वलित करता रहा। उन्होंने कहा कि यह वही स्वर था जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने की शक्ति प्रदान की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को स्मरण करते हुए कहा कि भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, खुदीराम बोस सहित असंख्य क्रांतिकारी वंदे मातरम् का जयघोष करते हुए मां भारती के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर चढ़ गए। उनका बलिदान आज भी हर भारतीय को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वंदे मातरम् की गौरव गाथा का स्मरण करना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह गीत हमें उस संघर्ष, उस पीड़ा और उस अदम्य साहस की याद दिलाता है, जिसने भारत को स्वतंत्रता दिलाई। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का आधार स्तंभ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं से नहीं होती, जो मानचित्र पर अंकित होती हैं। किसी राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं और उन मूल्यों से होती है, जो सदियों से उसके आचार-विचार और जीवन पद्धति का हिस्सा रहे हैं। भारत की यह सांस्कृतिक निरंतरता विश्व में अद्वितीय है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

सुचारू एयरलाईन सिस्टम बनाने प्रयास आवश्यक

देश के नागरिकों के लिये समय की कीमत का महत्व देखा गया जब इंडिगों के द्वारा लेटलतीफी की गई। उड़ान को सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार ने नियम जारी किए। नए नियम क्या थे? यही कि पायलटों से आठ घंटे काम लिया जाए और उन्हें पर्याप्त छुट्टी दी जाए। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, लेकिन प्रति विमान उपलब्ध पायलटों की संख्या के लिहाज से (प्रति विमान 13) वह पांचवें नंबर आती है। उसके कर्मचारी काम के कैसे बोझ में रहते होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वाभाविक है कि पायलट एसोसिएशन ने नियम वापस लेने के सरकार के फैसले का विरोध किया है।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी', 'युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता' और 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता' जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब ÷सभी मानव पहले मानव÷ की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज़ को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर ज़ोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है।

अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

यह निजी विचार है।

प्रकृति की थोड़ी सी चाह।

संजीव ठाकुर

आदिकाल से अब तक
धरती ने हमसे कुछ चाहा नहीं
बस दिया मिट्टी की हथेली में
जीवन, जल की हथेली में समय,
वायु की हथेली में श्वास।

पेड़ों ने अपनी छाया को
कोई नाम नहीं दिया,
नदियों ने अपनी धारा पर
हस्ताक्षर नहीं किए,
फूलों ने महक को अपना
नहीं कहा वे बस खिलते रहे,
बहते रहे, जीवन बनते रहे।

लताएँ आपस में
धीरे-धीरे बात करतीं
कलियाँ खिलने से पहले
धरती से सलाह लेती
और हवा हर सुबह
हमारी उम्र को
महका देती ।

इस धरा ने हमें सब कुछ दिया
शुद्ध जल, खुली हवा,
निर्झरिणियों की हँसी,
नदियों की लंबी स्मृतियाँ,
सागर का धैर्य।

और हम लालची मनुष्य
अपनी ही माँ की साँस
धीरे-धीरे कम रहे,
धरती को थकाया,
जल को मलिन किया,
हवा को बोझिल बना दिया,
जैसे हमारे लिए नहीं
हमारी उपेक्षा के लिए हों।

जिसने हमें जीवन का
सबसे सुंदर रूप दिया,
उसे हम अक्सर भूल जाते ,
जैसे स्मृति कोई सुविधा हो
और कर्तव्य कोई बाधा।

अब भी समय है धरती को
उसके मूल रूप में
लौटा देने का, जल को
उसकी निर्मल भाषा में
फिर से बहने देने का,
वायु को बिना डर
साँस बनने देने का।
जिम्मेदारी हमारी कि हम
सेवा को केवल शब्द न बनाएँ,
और मातृभूमि को शब्दांजलि।

क्योंकि जिस दिन
धरती थक जाएगी,
जल अ-प्लावित होगा,
और हवा मद्धम हो जाएगी
उस दिन मानव की सारी प्रगति
एक अधूरी पंक्ति बनकर
गगन में वाष्पित हो जाएगी।

धरती की सेवा यदि जारी रहे,
तो जीवन भी चलता रहेगा
वरना हम इतिहास की
सबसे बड़ी भूल कहलाएँगे।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा

रजनीश कपूर

इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें।

हवाई यात्रा ने आधुनिक युग में दुनिया को गांव बनाया है। यह न केवल यात्रियों को दुनिया के कोने-कोने से जोड़ती है, बल्कि व्यापार, पर्यटन और वैश्विक अर्थव्यवस्था का रफ्तार बनाती है। लेकिन क्या नागरिक उड्डयन उद्योग उतना मजबूत है जितना दिखता है? हाल के वर्षों में, विभिन्न संकटों ने इसकी कमजोरियों को उजागर किया है। 2025 में एयरबस के हालिया संकट ने इस बहस को फिर से जीवित कर दिया है।

एयरबस, जो बोइंग के साथ मिलकर विश्व के अधिकांश यात्री विमानों का निर्माण करता है, ने हाल में अपने ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट में एक गंभीर सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल मचा दी है। इससे कई सवाल उठने लगे कि क्या हवाई यात्राएँ सुरक्षित हैं?

नवंबर 2025 में, एयरबस ने घोषणा की कि ए320 फैमिली के एक विमान में हुई घटना के विश्लेषण से पता चला कि तीव्र सौर विकिरण (रेडिएशन) महत्वपूर्ण डेटा को बिगाड़ सकता है। यह गड़बड़ी फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम को प्रभावित करती है, जो विमान की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिणामस्वरूप, कंपनी ने लगभग 6,000 ए320 सीरीज के विमानों के लिए तत्काल सॉफ्टवेयर अपडेट और पूर्व-सतर्कता कार्रवाई का आदेश दिया।

इसने वैश्विक विमान यात्राओं में भारी व्यवधान पैदा किया। हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंस गए, उड़ानें रद्द हुईं और एयरलाइनों को करोड़ों का नुकसान हुआ। दिसंबर की शुरुआत तक, एयरबस ने दावा किया कि अधिकांश विमानों को ठीक कर लिया गया है, लेकिन अभी भी कई विमानों पर काम चल रहा है।

इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि सॉफ्टवेयर समस्या के ठीक बाद, कंपनी ने ए320 के कुछ विमानों के धातु पैनलों में औद्योगिक गुणवत्ता की समस्या पाई, जो फ्यूजलेज को प्रभावित करती है। यह कुछ ही विमानों तक सीमित है, लेकिन यह दर्शाता है कि एक समस्या दूसरी को जन्म दे सकती है।

यह संकट हवाई उद्योग की कमजोरियों को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। सबसे बड़ी कमजोरी है बाजार का एकाधिकार। एयरबस और बोइंग मिलकर 90त्न से अधिक यात्री विमानों का उत्पादन करते हैं। यदि एक कंपनी में कोई समस्या आती है, तो पूरा उद्योग प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, 2019 में बोइंग 737 मैक्स की दुर्घटनाओं ने पूरे उद्योग को हिला दिया था और अब एयरबस का संकट उसी कड़ी का हिस्सा लगता है। दूसरी कमजोरी है तकनीकी निर्भरता। आधुनिक विमान सॉफ्टवेयर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर आधारित हैं।

सौर विकिरण जैसी बाहरी घटनाएं, जो जलवायु परिवर्तन के साथ बढ़ रही हैं, इन सिस्टमों को प्रभावित कर सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी भी एक बड़ा मुद्दा है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में हवाई यात्रा में 5त्न की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन एयरबस संकट ने इसे प्रभावित किया। एयरलाइनों की लाभप्रदता कम हो गई और निवेशकों का विश्वास डगमगाया। पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ रहा है; कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों में, नई तकनीकों को अपनाने में जोखिम है। कुल मिलाकर, यह उद्योग एक जटिल जाल में फंसा है जहां एक छोटी गड़बड़ी वैश्विक संकट पैदा कर सकती है।

वहीं नियामक संस्थाएं जैसे यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) अमेरिका में और भारत में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) उद्योग के मानकों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एयरबस संकट में, ईएएसए ने तत्काल कार्रवाई की मांग की और सॉफ्टवेयर अपडेट को अनिवार्य किया। नियामकों का काम है विमानों के डिजाइन, निर्माण और संचालन की जांच करना। वे सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के माध्यम से सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी नया विमान या अपडेट सुरक्षा मानकों को पूरा करे। लेकिन क्या वे पर्याप्त हैं?

बोइंग 737 मैक्स मामले में एफएए की आलोचना हुई कि उन्होंने निर्माता पर ज्यादा भरोसा किया। एयरबस मामले में भी, यदि सौर विकिरण की समस्या पहले पता चल जाती, तो संकट टाला जा सकता था। नियामकों को अधिक सक्रिय होना चाहिए, नियमित ऑडिट, स्वतंत्र जांच और उभरते जोखिमों जैसे साइबर हमलों या ट्रीय होते हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में, डीजीसीए को मजबूत बनाना चाहिए ताकि स्थानीय एयरलाइनों पर सख्ती से मानक लागू हों। नियामकों की भूमिका न केवल संकट प्रबंधन में है, बल्कि सकारात्मक उपायों में भी, जो उद्योग की कमजोरियों को कम कर सकती है और हवाई यात्राओं को सुरक्षित बना सकती है।

एयरलाइनों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वे अंतिम उपयोगकर्ता हैं और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाती हैं। एयरबस संकट में, अमेरिकन एयरलाइंस जैसी कंपनियों ने तत्काल अपने बेड़े को अपडेट किया। एयरलाइनों को नियमित रखरखाव, पायलट प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर जोर देना चाहिए। वे निर्माताओं से पार्ट्स और अपडेट प्राप्त करती हैं, लेकिन अपनी जांच भी करनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें। साथ ही, यात्री संचार में पारदर्शिता रखें, ताकि विश्वास बना रहे। कुल मिलाकर, एयरलाइनों की जिम्मेदारी है कि वे नियामकों के साथ मिलकर मानकों को लागू करें और संकटों में त्वरित प्रतिक्रिया दें।

एयरबस संकट ने साबित किया कि हवाई उद्योग कितना संवेदनशील है। तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से घिरा हुआ है। लेकिन मजबूत नियामक ढांचा और जिम्मेदार एयरलाइंस इसकी रक्षा कर सकती हैं। सरकारों को अनुसंधान में निवेश करना होगा, उद्योग को अधिक लचीला बनाना होगा, ताकि भविष्य के संकटों से निपटा जा सके। आखिरकार सुरक्षा सर्वोपरि है, क्योंकि आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा है, लेकिन इसे सुरक्षित बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

यह निजी विचार है।

नाभिकीय ऊर्जा मिशन

अनिल काकोडकर

विकासित भारत को साकार करने के लिए बड़े पैमाने पर नाभिकीय ऊर्जा का तेज़ी से इस्तेमाल ज़रूरी हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा लंबे समय तक चलने वाली ऊर्जा और जलवायु सुरक्षा का भी वादा करती है। परमाणु ऊर्जा विभाग की लगातार और आत्मनिर्भर बनने कोशिशों की वजह से, भारत एक आत्मनिर्भर, ज़िम्मेदार देश के तौर पर उभरा है, जिसके पास प्रगत नाभिकीय प्रौद्योगिकी है, भले ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हम पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हों। देश अब नाभिकीय ऊर्जा मिशन के साल 2047 तक 100 जीडब्ल्यू बिजली बनाने की क्षमता तक पहुँचने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी के मामले में तैयार है। हालाँकि यह बहुत महत्वांकांक्षी लग सकता है, लेकिन हमारे पिछले ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, पॉलिसी की पहल और काम, खासकर कानूनी कदम जो अभिप्रेत हैं, उनसे चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। स्वच्छ ऊर्जा हासिल करने और जलवायु खतरे से निपटने के अलावा, नाभिकीय ऊर्जा मिशन में अर्थव्यवस्था को काफ़ी बढ़ावा देने की क्षमता है क्योंकि पूरी वैल्यू चेन देश के अंदर होगी। इससे मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, कमीशनिंग, ऑपरेशन और मेंटेनेंस, क्वालिटी एश्योरेंस, सेफ्टी और आस-पड़ोस के लोगों से जुड़ाव जैसी सभी गतिविधियों में सभी स्तर पर नौकरियाँ पैदा होंगी। प्रशिक्षित और योग्य मानव संसाधन के मामले में भी चुनौतियां हैं। हालांकि हम इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन प्रोग्राम की निरंतरता पर उद्योग का भरोसा एक अनिवार्य शर्त होगी।

आगे क्या चुनौतियां हैं? उनमें से सबसे ज़रूरी है समय लक्ष्य के हिसाब से बड़े पैमाने पर तेज़ी से परिनियोजन करना। सिर्फ़ दो दशकों में 90 जीडब्ल्यू से ज़्यादा या लगभग 200 रिएक्टर जोड़े जाने हैं। स्पष्ट है कि एनपीसीआईएल, एनटीपीसी और भाविनी के अलावा कई इम्प्लीमेंटिंग एजेंसियों की ज़रूरत है, जो फ्लीट मोड में रिएक्टर प्लांट के मानक डिज़ाइन वाली परियोजना शुरू करें। हालांकि हमें अपनी राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा नीति के आधार पर प्रौद्योगिकी के साथ प्रोग्राम को परिनियोजित करना चाहिए । पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी स्पष्ट रूप से एक सिद्ध और किफायती प्रतिस्पर्धी स्वदेशी प्रौद्योगिकी है जो तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है। इसलिए एनपीसीआईएल को अपने प्रोग्राम को कार्यान्वित करते समय पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी में दूसरी प्राधिकरणों को रचनात्मक रूप अपने से जोड़ते हुए उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। दूसरी परिपक्व प्रौद्योगिकी को भी एक अतिरिक्त संभावना के तौर पर माना जा सकता है, बशर्ते वे किफायती और संरक्षा मानकों को पूरा करें।

निवेश का भी एक ज़रूरी मुद्दा है, जो अकेले नाभिकीय ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ के ऑर्डर का होगा। ईंधन चक्र अवसंरचना के लिए निवेश इसके अलावा होगा। इसलिए निजी क्षेत्र से वित्तपोषण बहुत ज़रूरी है। जबकि नाभिकीय क्षेत्र का आर्थिक पक्ष अच्छा है, दूसरी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के बराबर नीति सहयोग अनिवार्य होगा।

निर्धारित क्षमता के लिए नाभिकीय ईंधन हासिल करना अगली बड़ी चुनौती है। जबकि वैश्विक यूरेनियम स्रोत काफी हैं, नाभिकीय ऊर्जा विस्तार के कारण यूरेनियम की बढ़ती मांग और यूरेनियम आपूर्ति पर रुकावटों से अंतरिम आपूर्ति में कमी और मूल्य में वृद्धि होगी। नाभिकीय बाज़ार से जुड़ी जटिल भू-राजनीति को देखते हुए यह एक बड़ी ईंधन आपूर्ति सुरक्षा चुनौती बन सकती है। इसलिए अपने बड़े थोरियम भंडारों के साथ भारत को जल्द से जल्द थोरियम पर स्विच कर लेना चाहिए और ऊर्जा सुरक्षित बनना चाहिए। इसके लिए हमारे थोरियम आधारित नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के विकास में तेज़ी लाने की ज़रूरत है। थोरियम का इस्तेमाल और यूरेनियम से बहुत ज़्यादा एनर्जी वैल्यू पाना, जो किसी भी तरह से आज के समय की ज़रूरत बन जाएगी, इसमें नाभिकीय ऊर्जा का पुनर्संसाधन और पुनर्चक्रण करना ज़रूरी होगा। इस तरह संवृत नाभिकीय ईंधन चक्र में हमारी काबिलियत एक सुरक्षित और अनवरत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और भरोसेमंद दीर्घकालिक नाभिकीय अपशिष्ट प्रबंधन में काम आएगी। हालांकि, यह एक संवेदनशील व नाभिकीय प्रौद्योगिकी है और इसका शासन और नियंत्रण सरकार के पास ही रहना चाहिए। अमेरिका सहित ज़्यादातर देश इस्तेमाल किए गए नाभिकीय ईंधन के स्थाई निपटान का मुद्दा नहीं सुलझा पाए हैं। निजी नाभिकीय प्रतिष्ठान और सरकारी नाभिकीय पुनर्चक्रण ऊद्योग के बीच ईंधन प्रबंधन इंटरफेस को कानून में ठीक से शामिल करने की ज़रूरत है।

मुझे लगता है कि दुनिया भर में नाभिकीय ऊर्जा को ज़्यादा बढ़ावा देने के कारण, नाभिकीय पुनर्चक्रण पर ज़्यादा ज़ोर देना ज़रूरी होगा। इस तरह, फ्रंट एंड की तुलना में बैकएंड ईंधन चक्र, उतना ही बड़ा या उससे भी बड़ा उद्योग बन जाएगा। थोरियम, जो प्रसार प्रतिरोध उपलब्ध कराता है, इस मामले में और भी ज़्यादा ज़रूरी हो जाता है।

बाजरा से बाजार तक : 793 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन धन राशि से देश भर में किसान और उद्यमी सशक्त बने

भारत के खाद्य उद्योग की मजबूती: खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बाजरा आधारित उत्पादों को बढ़ावा दिया और सूक्ष्म एवं वृहद खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं की सहायता की

पीआईबी

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के समग्र विकास को बढ़ावा देने और इसे सुनिश्चित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय अपनी दो केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं, जैसे कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफ पीआई) और केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के माध्यम से बाजरा प्रसंस्करण इकाइयों सहित संबंधित बुनियादी ढांचे की स्थापना/विस्तार को प्रोत्साहित कर रहा है।

पीएलआईएसएमएफपीआई योजना का एक घटक बाजरा आधारित उत्पादों (एमबीपी) पर केंद्रित है, जिसके लिए 800 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। बाजरा आधारित उत्पादों के लिए पीएलआईएसएमबीपी योजना का उद्देश्य खाद्य उत्पादों में बाजरा के उपयोग को बढ़ाना तथा घरेलू और निर्यात बाजारों में चयनित बाजरा आधारित उत्पादों के विनिर्माण और बिक्री को प्रोत्साहन देकर उनके मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना है। अब तक, पीएलआईएसएमबीपी के लिए आवंटित कुल 800 करोड़ रुपये में से 793.27 करोड़ रुपये 29 आवेदकों को प्रोत्साहन देने के लिए स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 8 बड़े तथा 21 लघु और मध्यम उद्यम शामिल हैं।

पीएमएफएमई योजना के तहत देश के 21 जिलों में बाजरा आधारित उत्पादों को 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) के रूप में चिन्हित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष (आईवाईओएम 2023) के तहत विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 30 जिलों में 'बाजरा महोत्सव' का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों, विशेष रूप से बाजरा उत्पादों के प्रसंस्करण में लगे उद्यमियों को सहायता प्रदान करना था। इसका लक्ष्य स्टार्टअप्स और उद्यमियों को प्रोत्साहित करना तथा खाद्य उद्योग के सूक्ष्म सेक्टर को सशक्त बनाना था। बाजरा आधारित उत्पादों के विनिर्माण में लगे 4366 उद्यमियों को 226.40 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत

किया गया है। पीएमकेएसवाई की घटक योजना 'खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षमताओं के सृजन/विस्तार' (सीईएफपीपीसी) के तहत देश में बाजरा आधारित एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई को मंजूरी दी गई है।

पीएमएफएमई योजना के ब्रांडिंग और विपणन घटक के तहत बाजरा आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण सहित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के एफपीओ/एसएचजी/सहकारी समितियों या एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को उपभोक्ता खुदरा बिक्री के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण और खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने के प्रावधान के साथ एक सामान्य पैकेजिंग और ब्रांडिंग विकसित करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से बाजरा आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण के कारण किसानों की आय पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए एमओएफपीआई द्वारा कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है। पीएलआईएसएफपीआई के तहत प्रोत्साहन तभी लागू होते हैं, जब विनिर्माण प्रक्रियाओं की पूरी श्रृंखला भारत में होती है। पीएलआईएसएफपीआई के तहत अनुमोदित कृषि प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का कुल निर्यात 2019-20 के संदर्भ में 2024-25 तक 13.23 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ बढ़ा है।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह ने यह जानकारी आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

मनखे-मनखे एक समान के संदेश के साथ ग्राम पांडेटोला में गुरु घासीदास जयंती — मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव

राजनांदगांव/छुरिया:-महान समाज सुधारक, सत्य, अहिंसा और मानवता के पुजारी संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी की जयंती के पावन अवसर पर ग्राम पांडेटोला में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरिया के अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा ने की, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला भाजपा के पूर्व महामंत्री श्री रविन्द्र वैष्णव तथा ग्राम पंचायत पांडेटोला के सरपंच श्री किर्तन राम साहू की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन स्थल पर गुरु घासीदास जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया साथ ही पूर्व जिला भाजपा महामंत्री रविंद्र वैष्णव द्वारा झंडा रोहण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि ÷गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश आज के समाज के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने समता, सत्य और मानवता का जो मार्ग दिखाया, वही एक सशक्त, समरस और न्यायपूर्ण समाज की नींव है।÷उन्होंने युवाओं से गुरु घासीदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए शिक्षा, सामाजिक एकता और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने पर जोर दिया।

रेलवे ने वंदे भारत रेलगाड़ियों में क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाया है

यात्री महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, केरल, बिहार और कश्मीर के क्षेत्रीय व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे

पीआईबी

रेलवे ने आईआरसीटीसी के माध्यम से वंदे भारत रेलगाडियों में क्षेत्रीय व्यंजनों की सेवा शुरू की है, ताकि स्थानीय जायके के साथ यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाया जा सके। इस पहल से यात्री देश के विविध व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

यात्री 20101/20102 नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में महाराष्ट्र के कंदा पोहा, दक्षिण भारतीय डोन्डाकाया करम पोडी फ्राई और आंध्र प्रदेश के आंध्र कोडी कुरा का स्वाद ले सकते हैं। गुजराती व्यंजन जैसे मेथी थेपला 20901 एमएमसीटी-जीएनसी वंदे भारत

एक्सप्रेस में और मसाला लौकी 26902 एसबीआईबी-वीआरएल वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसी जा रही हैं। यात्री ओडिशा की आलू फुलकोपी का आनन्द 22895 हावड़ा-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस में ले सकते हैं।

सफेद चावल, पचक्का चेरुपयार मेझुक्कू पेराती, कडाला करी, केरल पराठा, सादा दही और अप्पम के साथ पलाडा पायसम सहित केरल का पारंपरिक व्यंजन 20633/34 कासरगोड-त्रिवेंद्रम वंदे भारत एक्सप्रेस और 20631/32 मैंगलोर-त्रिवेंद्रम वंदे भारत एक्सप्रेस में उपलब्ध है, जबकि पश्चिम बंगाल का कोशा पनीर 20872 पर परोसा जा रहा है। यात्री आरओयू-एचडब्ल्यूएच वंदे भारत एक्सप्रेस और 22895 एचडब्ल्यूएच-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस में आलू पोटोल भाजा का स्वाद ले सकते हैं। चंपारण पनीर जैसे बिहार के विशिष्ट व्यंजन 22349 पीएनबीई-आरएनसी वंदे भारत एक्सप्रेस पर परोसे जा रहे हैं, जबकि चंपारण चिकन 22348 पीएनबीई-एचडब्ल्यूएच वंदे भारत एक्सप्रेस पर उपलब्ध है।

अंबल कद्दू और जम्मू चना मसाला सहित डोगरी व्यंजन रेलगाडी 26401-02 और 26403-04 में परोसे जा रहे हैं, और टमाटर चमन और केसर फिरनी आदि कश्मीरी व्यंजन रेलगाड़ी 26401/02 और 26403/04 एसवीडीके-सिना वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसी जा रही हैं। महाराष्ट्र का मसाला उपमा 22229 सीएसएमटी-एमएओ वंदे भारत एक्सप्रेस में उपलब्ध है, जबकि पश्चिम बंगाल का मुर्गिर झोल 22302 एनजेपी-एचडब्ल्यूएच वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसा जा रहा है। इस पहल के माध्यम से रेलवे भारत की समृद्ध पाक विविधता के साथ रेल यात्राओं को यादगार और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बना रही है।

पीएमएफएमई योजना, भारत के सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को सुदृढ़ बना रही है

पीएमएफएमई योजना के सामने आई हुई चुनौतियां

पीएमएफएमई योजना के माध्यम से भारत के सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूत बनाया जा रहा है

पीआईबी

प्रधानमंत्री जी की ओर से सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) को जून 2020 में केंद्र प्रायोजित योजना के तौर पर शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य देश के उन सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की मदद करना है जो प्रमुख तौर पर अनौपचारिक क्षेत्र में हैं और आमतौर पर क्रेडिट, प्रौद्योगिकी अपग्रेडेशन, मार्केटिंग लिंक और क्षमता निर्माण तक पहुंच की कमी से जूझते हैं। योजना के घटकों को सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की ओर से सामना की जाने वाली इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार किया गया है। मांग आधारित योजना होने के चलते, सबसे बड़ी चुनौती संभावित उद्यमियों की ओर से

पर्याप्त संख्या में पूर्ण आवेदन प्राप्त करना और कार्यान्वयन बैंकों द्वारा उनकी मंजूरी सुनिश्चित करना है। खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं के लिए मॉडल विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) की सलाह से तैयार की गई हैं और सभी की सुविधा के लिए योजना पोर्टल पर उपलब्ध हैं। राज्य के कार्यान्वयन विभागों/ एजेंसियों ने जिलों में पर्याप्त संख्या में जिला संसाधन व्यक्तियों (डीआरपी) की नियुक्ति की है, जिससे आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया में मार्गदर्शन और सहायता दी जा सके, जो पूरी तरह से ऑनलाइन और सुगम है। इस योजना के कार्यान्वयन में कुल 12 राष्ट्रीय, 20 निजी और 165 अन्य बैंक भागीदार हैं, जिससे जनता को बड़े स्तर पर इसका लाभ मिल सके। आवेदकों को राज्य स्तरीय तकनीकी संस्थानों (एसएलटीआई) के माध्यम से उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है और ऐसे संस्थानों का एक समूह बनाया गया है जिसमें मास्टर ट्रेनर, जिला स्तरीय ट्रेनर और निजी प्रशिक्षण भागीदार शामिल हैं। उद्यमिता विकास के साथ ही, ये प्रशिक्षण कार्यक्रम आवेदकों को उचित परियोजना निर्माण में मदद करते हैं, जिससे बैंकों की ओर से परियोजना स्वीकृति की संभावना बढ़ जाती है। बजट का एक प्रतिशत राज्य स्तर पर उपयुक्त संचार माध्यमों के माध्यम से योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु आवंटित किया गया है। योजना के प्रदर्शन में सुधार के लिए राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश सरकारों और भागीदार बैंकों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं।

पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत, स्वीकृत 76 इनक्यूबेशन केंद्रों में से 21 केंद्र कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)/ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और उनके संघों/ सहकारी समितियों/ सरकारी एजेंसियों को खाद्य प्रसंस्करण लाइन के साथ-साथ साझा इंफ्रास्ट्रक्चर/ वैल्यू चेन/ इनक्यूबेशन सेंटर लगाने के लिए पात्र परियोजना लागत के 35त्न की दर से अधिकतम 3 करोड़ रुपये की सीमा तक साझा सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना के लिए मदद प्रदान की जाती है। सीएफसी की पर्याप्त क्षमता अन्य इकाइयों और आम जनता की ओर से किराये के आधार पर उपयोग के लिए उपलब्ध है।

यह योजना सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण में लगे लाभार्थियों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) प्रशिक्षण प्रदान करती है। गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए, मास्टर प्रशिक्षकों को राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम), कुंडली और एनआईएफटीईएम, तंजावुर की ओर से प्रशिक्षित किया जाता है और खाद्य उद्योग क्षमता एवं कौशल पहल (एफआईसीएसआई) द्वारा प्रमाणित किया जाता है। ये मास्टर प्रशिक्षक, बदले में, जिला स्तरीय प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं, जो एफआईसीएसआई द्वारा प्रमाणित होते हैं। इस योजना के अंतर्गत केवल प्रमाणित प्रशिक्षकों को ही प्रशिक्षण देने की अनुमति है। राज्य स्तर पर, प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य स्तरीय तकनीकी संस्थानों (एसएलटीआई) की ओर से आयोजित और समन्वित किए जाते हैं, जबकि प्रशिक्षण के संचालन की निगरानी राज्य नोडल एजेंसी (एसएनए) की ओर से नियुक्त जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा की जाती है।

परमवीर दीर्घा युवाओं को भारत की शौर्य परंपरा और राष्ट्रीय संकल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का स्वागत किया और कहा कि वहाँ प्रदर्शित चित्र देश के अदम्य वीरों के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि और उनके बलिदानों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ये चित्र उन वीर योद्धाओं का सम्मान करते हैं,जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की और भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक लंबे कालखंड तक राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है। उन्होंने याद किया कि कुछ साल पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं।

युवा पीढ़ी के लिए इस दीर्घा के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चित्र और यह दीर्घा हमारी युवा पीढ़ी के लिए भारत की शौर्य परंपरा से जुड़ने का एक प्रखर स्थल है। ये दीर्घा युवाओं को ये प्रेरणा देगी कि राष्ट्र उद्देश्य के लिए आत्मबल और संकल्प महत्वपूर्ण होते है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह स्थान विकसित भारत की भावना का एक प्रखर तीर्थ बनेगा।

विशाल हिन्दू सम्मेलन में गुंजा धर्मो रक्षति रक्षिता

लोकशक्ति। संवाददाता।

आज सभी हिंदुओं को एक जूट होने एवं सनातन धर्म के पालन व एक दूसरे के मान, सम्मान, व्यवहार संस्कारपूर्ण रखने एवं भाईचारा बढ़ाने व धर्म की रक्षा के उद्देश्य से रामनगर रायपुर में विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भागवत आचार्य परम पूज्य राकेश तिवारी, अतिथि देवदास वैष्णव तथा मातृशक्ति के रूप में रजनी भगिनी उपस्थित थी और इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता घनश्याम सोनी रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सर्व समाज के मध्य आपसी सद् व्यवहार बढ़ाने व संस्कारपूर्ण जीवन जीना सिखाना एवं धर्म की रक्षा रहा। मुख्य अतिथि भागवत आचार्य पंडित राजेश तिवारी ने धर्म की व्याख्या करते हुए धर्मो रक्षति रक्षिता पर बल देते हुए कहा कि समाज को यदि संरक्षित सुरक्षित रखना चाहते हैं तो हमको धर्म का रक्षक बनना व धर्म का संरक्षण करना पड़ेगा। धर्म का आरक्षण करने से ही हमारा हिंदू सनातन धर्म की रक्षा होगी। जितने भी पंथ है उन सभी में अपना जो सनातन है हिंदू धर्म है वह प्रेम सवार्ध सर्वगुणता की विषय को समझ में रखते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी योगेश्वर श्री कृष्ण जी के विचार है उनको जन-जन तक घर-घर तक कैसे पहुंचना है यह बातें अपने मुख्य उद्बोधन में रखें। महंत वैष्णव दास जी ने संत समाज व सर्व हिंदू समाज को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे और बाल्य काल से ही धर्म रक्षा के लिए मठ मंदिरों व कोरोना काल में सनातन हिंदू धर्म के कारण ही इस आर्यावर्त की कैसे रक्षा हुई इसको प्रस्तुत किया। उन्होंने सर्वे भवंतु सुखिना सर्वे संतु निरामया सर्वे भद्राणि

पश्यंतु की व्याख्या करते हुए रामचरितमानस में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी ने अपने प्रजाजनों को संदेश दिए थे कि इस मानव समाज में सर्व कल्याण की भावना को सब सुखी रहे इस बात की भावना को हम कैसे समाज में स्थापित करें।

मुख्य वक्ता घनश्याम सोनी सह प्रांत कार्यवाह ने अपने उद्बोधन में बातें रखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज में पांच परिवर्तन के विषय को लेकर हमारे जो स्वयंसेवक है घर-घर जाकर के हिंदुओं को जगा रहे हैं। यह इस भारतवर्ष का इतिहास है कि हिंदू जब-जब बँटे हैं तब तब वह कटे हैं इसलिए हमको आपस में एक रहकर प्रेम पूर्वक हमारे परिवार की जो शक्ति है हमारे कुटुंब का जो शक्ति है उनको हमको समझना है। आज हिंदू समाज में परिवार का विघटन जो हो रहा है उनको हमको रोकना है हम अपने बच्चों को बचपन से ही इस धर्म की सनातन संस्कृति की शिक्षा दें तब वह बच्चे अपने धर्म को अपने स्वाभिमान को जान व समझ कर अपनी संस्कृति का रक्षा करेंगे। यदि संस्कृति की रक्षा होगी तभी इस सनातन धर्म की रक्षा होगी। इस सर्व समाज द्वारा आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन में एक प्रतिज्ञा लेना होगा कि हम आपस में जाति-पाति छुआछूत उच्च नीच की भाव को मिटा कर राष्ट्रीय सेवक स्वयंसेवक संघ का जो उद्देश्य है कि समाज के लिए समाज के लोग जो कार्य करते हैं इस भावना को जागृत करना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योग आयोग के अध्यक्ष विशेषण जी, भगवती शर्मा जी एवं महानगर के राष्ट्रीय स्वयं संघ के सभी पदाधिकारी गुढ़ीयारी नगर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी एवं कमल नारायण साहू, हेमलाल साहू, आत्माराम साहू, डॉक्टर नरेश सिंह राजपूत, कृष्णा साहू, मुकेश साहू, रमेश यादव, राजेश गुरुजी, गोपी साहू, अनु सोनी, राजेश शेरवानी, मुकेश साहू, यशवंत साहू सहित मातृशक्ति ममता साहू, सरस्वती साहू, श्रीमती चन्नी राजपूत, उषा साहू अनीता साहू, संतोषी साहू सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गोपी साहू के द्वारा मंच का संचालन वैश्विक ढंग से किया व आत्माराम साहू के द्वारा व्यवस्था की जिम्मेदारी अच्छे से निभाया गया। कार्यक्रम के अंत में साधु संत समाज का अद्भुत उद्बोधन हुआ जिससे हमारे समाज को अच्छी रास्ता दिखाने का काम किया गया। रामनगर क्षेत्र के सभी सामाजिक सेवक लोग अधिक संख्या मे उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया । बच्चों के द्वारा गणेश वंदना किया गया व भारत माता के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जो एक मनमोहक और बहुत ही प्रतिभावान कार्य था जो हमारे हिंदू समाज के लिए एक बहुत ही सुंदर छवि बनेगा जो हमारे सर्व समाज की उपस्थिति में किया गया।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

डबरी से बदली तकदीरः मछली पालन से आर्थिक सशक्तिकरण

श्री तीज राम केवट का सहारा बनी मनरेगा डबरी

जांजगीर-चांपा

महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत बनी निजी डबरी भले ही श्रीमती फोटोबाई केंवट के नाम पर स्वीकृत रही हो, लेकिन परिस्थितियों ने इसे श्री तीजराम के जीवन का सबसे बड़ा सहारा बना दिया। पत्नी के निधन के बाद तीजराम के लिए जीवन अचानक खाली-सा हो गया था। घर, खेती और परिवार सब कुछ एक साथ संभालना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे समय में यही डबरी उनके संघर्ष की साथी बन गई। जिले के एक साधारण से गांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत किया गया निजी डबरी निर्माण आज ग्रामीण आजीविका का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है।

जनपद पंचायत अकलतरा की ग्राम पंचायत बनाहिल में हितग्राही मूलक कार्य के रूप में स्वीकृत यह डबरी न केवल रोजगार का साधन बनी, बल्कि एक परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने का आधार भी बनी। मनरेगा योजना अंतर्गत 1,58,278 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति के साथ यह कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। कुल 1,48,192 रूपए की लागत से सम्पन्न इस कार्य में 52 परिवारों द्वारा 842 मानव दिवस का सृजन हुआ। इससे न केवल ग्रामीणों को रोजगार मिला, बल्कि जल संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकता की भी पूर्ति हुई। डबरी निर्माण से क्षेत्र में जल संग्रहण, भू-जल स्तर में सुधार और आसपास के खेतों को सिंचाई सुविधा भी मिली। डबरी निर्माण कार्य ग्राम पंचायत, रोजगार सहायक एवं तकनीकी सहायक के समन्वय से पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अधिकारी, सरपंच, रोजगार सहायक एवं तकनीकी सहायक के मार्गदर्शन में यह कार्य ग्राम पंचायत के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। आज यह सफलता की कहानी अन्य ग्रामीणों के लिए संदेश है कि मनरेगा केवल मजदूरी नहीं, बल्कि स्थायी आजीविका और आत्मनिर्भरता का माध्यम है। निजी डबरी निर्माण जैसे कार्य अपनाकर ग्रामीण न केवल रोजगार पा सकते हैं, बल्कि खेती, मछली पालन और जल संरक्षण के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित भी बना सकते हैं। यही कारण है कि यह कहानी पढ़कर अन्य ग्रामीण भी आगे आकर डबरी निर्माण जैसे कार्यों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। श्री तीजराम कहते हैं पत्नी श्रीमती फोटो बाई के निधन के बाद भी यह उनकी याद को संजोए हुए है आज यही मेरी ताकत है। इसी के सहारे मैं खेती कर पा रहा हूँ और परिवार का पालन पोषण कर रहा हूं। आज श्री तीजराम की यह मार्मिक यात्रा गांव के अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रही है कि निजी डबरी जैसे कार्य अपनाकर वे भी अपने जीवन को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बना सकते हैं।

किसानों को 24x7 टोकन सुविधा से राहत,
साजापाली के किसान ने बेचा 28.80 क्विंटल धान

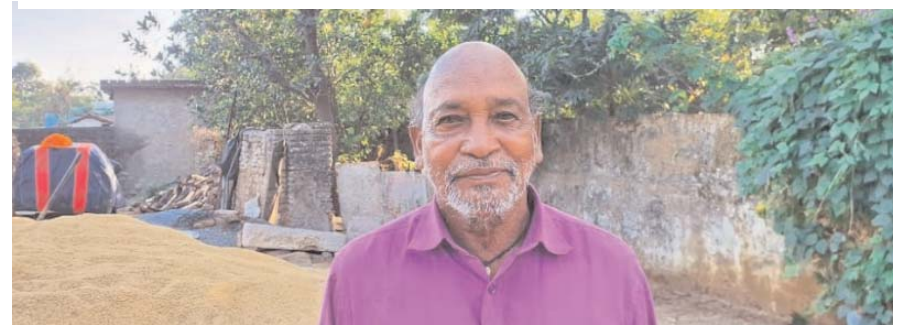

धान खरीदी में किसान श्री हेमलाल निर्मलकर का सुखद अनुभव

जांजगीर-चांपा संवाददाता

प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रूप से संचालित की जा रही है। किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। इसके साथ ही तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के द्वारा 24म7 टोकन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे किसान शासन के इस निर्णय से काफी उत्साहित हैं। जांजगीर-चांपा जिले में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है। इसी कड़ी में अकलतरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम साजापाली निवासी किसान श्री हेमलाल निर्मलकर ने धान उपार्जन केंद्र ग्राम हरदी में अपना धान विक्रय किया। किसान श्री निर्मलकर ने बताया कि उनके द्वारा की गई फसल की नियमित निगरानी और उचित खाद बीज के कारण उन्हें बेहतर फसल प्राप्त हुई। उन्होंने धान की बिक्री हेतु मोबाइल एप ÷तुंहर टोकन÷ के माध्यम से घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन लिया और निर्धारित समय पर अपने नजदीकी धान खरीदी केंद्र हरदी पहुंचकर उत्साहपूर्वक 28.80 क्विंटल धान का विक्रय किया। वे बताते हैं कि 24 घंटे उपलब्ध टोकन सुविधा के कारण उन्हें न तो लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा और न ही बार-बार केंद्र के चक्कर लगाने पड़े। धान खरीदी केंद्र में छाया, पेयजल, बैठने की सुविधा और त्वरित तौल जैसी सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं से उन्हें अत्यंत संतोषजनक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने इस सुविधा के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने किया तीन लूटेरों को गिरफ्तार : आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम नगदी रूपये एवं घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद

दो माह पहले अकलतरा क्षेत्र में हुई लूट का हुआ खुलासा

जांजगीर चांपा /

दो महीने पहले अकलतरा क्षेत्र में हुई लूट का खुलासा हो गया है जिसमें पुलिस ने तीन लूटेरों को गिरफ्तार कर लिया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी रतन नायक पिता लक्ष्मण नायक उम्र 29 वर्ष निवासी झोपडिया थाना बिगोर जिला भुलवाडा राजस्थान ट्रक ड्राईवरी का काम करता है ।

दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को चांपा प्रकाश इंडस्ट्रीज से माल भरने के लिए ट्रक क्रमांक RJ06GD1505 में अपने हेल्फर सुमीत कंजर के साथ गया था , वहां से माल भरकर दुसरे दिन 15 अक्टूबर के रात्रि लगभग 10 बजे अहमदाबाद गुजरात जाने के लिए निकले । कबरीन रात्रि 12-12.30 बजे के बीच अकलतरा हाईवे नेशनल रोड फ्लाई ओवर के ऊपर पहुचे थे कि उसी समय पीछे से एक सफेद रंग की स्कार्पियों से प्रार्थी के ट्रक को रोक दिया तब उस स्कोर्पियों वाहन से तीन लोग बाहर निकल कर प्रार्थी एंव उसके हेल्फर को मां बहन की गंदी गंदी गालीयां देते हुये कालर पकडकर नीचे उतारे और हाथ मुक्का चाकू राड से मारपीट किये । प्रार्थी डर कर वहां से भाग गया और प्रार्थी का मोबाईल गाडी में ही था व गाडी के सीट के पीछे टूल बाक्स में रखे नगदी रकम 85000 रूपये भी था जिसे वे ले गए। उक्त रिपोर्ट पर अप0क्रं0 525/25 धारा 309(4),296,115(2),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया था। नेशनल हाईवे पर लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए श्री विजय पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में आरोपीयों की लगातार पतासाजी की जा रही थी । सायबर सेल जांजगीर टीम लगातार संभावित स्थानों के CCTV फूटेज चेक कर रही थी। फूटेज से चेक करने के दौरान संदेही, छोटू खान उर्फ आसिफखान पिता अब्दुल मजिद खान उम्र 21 वर्ष, प्रियांशु गांगूली पिता स्व.अमरदास उम्र 21 वर्ष ,अमन साहू पिता श्याम सुंदर साहू उम्र 21 वर्ष सभी निवासी ग्राम मडई (खम्हरिया) थाना सीपत जिला बिलासपुर के रूप में पहचान किया गया । जिन्हे सायबर सेल एवं थाना अकलतरा की संयुक्त टीम के द्वारा हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर तीनो आरोपियो ने अपने अपने मेमोरण्डम कथन में बताया कि दिनांक घटना को स्कार्पिया का प्रयोग कर घटना कारित करना अपना अपना जुर्म स्वीकार करने पर घटना मे प्रयुक्त एक स्कार्पियो वाहन क्रमांक CG12BF8880 एक नग चाकू ,एक लोके का राड एंव नगदी रकम 10,000 रू. को जप्त किया गया है। आरोपीयों के विरूध अपराध सदर धारा का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से आज दिनांक 18 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । उपरोक्त कार्यवाही में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक सागर पाठक, थाना प्रभारी अकलतरा निरीक्षक भास्कर शर्मा, सायबर टीम सउनि विवेक सिंह, प्र.आर. मनोज तिग्गा, विवेक सिंह, राजकुमार चन्द्रा, आर. शहबाज खान, प्रदीप दुबे, गिरीश कश्यप, माखन साहू, रोहित कहरा प्रतीक सिंह एवं थाना अकलतरा स्टाफ का विशेष भूमिका रही।

22 दिसंबर को सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्मश्री श्री अनुज शर्मा देंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा के मुख्य आतिथ्य में छत्तीसगढ़ सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम का होगा आयोजन

संवाददाता। जांजगीर-चांपा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 22 दिसंबर को जिले में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा के मुख्य आतिथ्य में पुलिस लाइन खोखरा, जांजगीर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को सहेजते हुए सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्मश्री श्री अनुज शर्मा द्वारा प्रातः 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

खोखरा के मंडी चौक को मां मनका दाई चौक के नाम से जाना जाएगा

ग्राम पंचायत खोखरा द्वारा पंचायत में किया गया प्रस्ताव पारित

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर के समीपस्थ ग्राम पंचायत खोखरा के वार्ड क्रमांक 20 कृषि उपज मंडी स्थित चौक का मां मनका दाई चौक के नाम से जाना जाएगा। इसका पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया है।

ज्ञात हो कि जिला मुख्यालय जांजगीर से लगे ग्राम पंचायत खोखरा में मां मनका दाई का मंदिर स्थित है जो जिले का

प्रसिद्ध धार्मिक आस्था का केन्द्र है। सरपंच एवं पंचों द्वारा चौक का नामकरण के लिए प्रस्ताव पंचायत की बैठक में की गई है। जिला मुख्यालय जांजगीर के कृषि उपज मंडी कार्यालय के पास स्थित खोखरा पहुंच मार्ग चौक का नाम मां मनका दाई चौक के नाम से करने की मांग मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई है। इसे लेकर कलेक्टर को मां मनका दाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राधेलाल थवाईत एवं सदस्यों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है।

सामान्य सभा की बैठक 26 को

महासमुंद, ।

जिला पंचायत महासमुंद के सामान्य सभा की बैठक 26 दिसंबर 2025 को सुबह 11:00 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। बैठक में शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन, समाज कल्याण विभाग, आदिवासी विकास विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से संबंधित एवं अन्य विषय पर चर्चा की जाएगी। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे बैठक में अपने विभाग की अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने आकाश सिंह

जांजगीर चांपा /

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय किरणसिंह देव जी ,प्रदेश संगठन महामंत्री आदरणीय पवन साय जी की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा माननीय राहुल टिकरीहा जी ने आकाश सिंह जी को भाजपा युवा मोर्चा जांजगीर चांपा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

आकाश सिंह जी ने नवीन दायित्व के लिए प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व एवं राहुल टिकरिहा जी का आभार व्यक्त किया है साथ में यह भी बताया कि हमेशा उनको छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष माननीय सौरभ सिंह जी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जी, भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े जी का मार्ग दर्शन मिलते रहा है। और भाजयुमो अध्यक्ष जी ने कहा की प्रदेश में विष्णु देव जी की सुशासन की सरकार है प्रदेश के अंतिम व्यक्ति को सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है और यह भी कहा संगठन ने जो दायित्व दिया है उसे निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगे। पूरे जिले में भाजपा संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा को नई दिशा मिलेगी और संगठन जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत होगा। इस नियुक्ति पर जनता के लोगो ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आकाश सिंह के नेतृत्व, अनुभव और समर्पण से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी ।

नक्शा पास कराने रिश्वत लेते सीएमओ व बाबू गिरफ्तार

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बोदरी नगर पंचायत में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीएमओ भारती साहू और उनके बाबू सुरेश सीहोरे को 12 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मकान का नक्शा पास करने के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। मिली जानकारी के अनुसार,12 दिसंबर 2025 को नूतन चौक, सरकंडा निवासी वेदराम निर्मलकर ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि बोदरी स्थित उनकी जमीन पर मकान निर्माण के लिए दिए गए नक्शे को पास करने के बदले नगर पंचायत कार्यालय के बाबू सुरेश सीहोरे ने 20 हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट 47,257 रुपये की वैधानिक फीस के अलावा 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान प्रार्थी द्वारा बाबू सुरेश सीहोरे और सीएमओ भारती साहू से बातचीत करने पर रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई।

भारतीय जनता युवा मोर्चा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बने जितेंद्र देवांगन

जांजगीर चांपा / संवाददाता।

भारतीय जनता युवा मोर्चा, छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राहुल टिकरिहा द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें जांजगीर के श्री जितेन्द्र देवांगन को प्रदेश महामंत्री नियुक्त करते हुए संगठन में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जितेन्द्र देवांगन का राजनीतिक सफर छात्र जीवन से ही सक्रिय एवं संघर्षपूर्ण रहा है। वे ठाकुर छेदीलाल शासकीय महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके पश्चात उन्होंने जांजगीर-नैला नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 11 से पार्षद के रूप में जनसेवा की।

संगठनात्मक अनुभव के तहत उन्होंने क्रमशः - भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महामंत्री, प्रदेश मंत्री भाजयुमो छत्तीसगढ़, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो छत्तीसगढ़ जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी निरंतर सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा, परिश्रम एवं नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखते हुए संगठन ने उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति से युवा मोर्चा को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। प्रदेश अध्यक्ष श्री राहुल टिकरिहा ने श्री देवांगन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सत्य परास्त नही हो सकता - ब्यास कश्यप : नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस ने किया भाजपा कार्यालय का घेराव

जांजगीर चांपा /

सत्य कभी परास्त नही हो सकता भले ही कुछ दिनों के लिए परेशानी उठाना पड़े और आखरी में दुध का दुध पानी का पानी हो जाता है । उक्त बातें आज जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा कार्यालय घेराव के दौरान अपने ओजस्वी उद्बोधन में व्यक्त किए । उन्होंने शासन प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा कि वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जितना भी परेशान कर ले वे लड़ने के लिए पीछे नही हटेंगे और उन्होने चेतावनी भी दिया कि समय सबका आता है वे इस बात को न भूलें । ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय दीपक बैज जी के निर्देशानुसार, नेशनल हेराल्ड मामले में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी एवं नेता विपक्ष आदरणीय श्री राहुल गांधी जी को माननीय न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा क्लीन चिट दिए जाने के उपरांत आज जिला कांग्रेस कमेटी एवं यूथ कांग्रेस जांजगीर चांपा द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जांजगीर कार्यालय का घेराव कार्यक्रम रखा गया था। यह घेराव भाजपा द्वारा 11 वर्षों से कांग्रेस नेतृत्व के विरुद्ध की जा रही दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित कार्रवाई के विरोध में तथा सत्य और न्याय की विजय के समर्थन में किया।

माननीय न्यायालय के फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप पूरी तरह निराधार थे। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव मजबूती से खड़ी रही है और आगे भी हर साजिश के खिलाफ आवाज़ बुलंद करती रहेगी। घेराव कार्यक्रम के लिए जिले भर की कांग्रेस कार्यकर्ता पुराना मदन पेट्रोल पंप के पास इकठ्ठा हुए जहां से गगन चुंभी नारों के साथ रैली में पदयात्रा करते हुए भाजपा कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किय । यहां विधायक ब्यास कश्यप , पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया वहीं कार्यक्रम का संचालन रफीक सिद्धिकी व आभार प्रदर्शन कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने व्यक्त किया , वहीं कार्यक्रम में पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता नेता मोजूद रहे ।

खास खबर

जेलगांव में एबीसी एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर आज

जिला पशु चिकित्सालय में एबीसी सेंटर के तहत पशु चिकित्सकों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

कोरबा संवाददाता

डॉ. एस.एन. मिश्रा, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कोरबा के मार्गदर्शन में आज जिला पशु चिकित्सालय, कोरबा में एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर के अंतर्गत जिले के सभी पशु चिकित्सकों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान 6 मेल एवं 2 फीमेल श्वानों की स्पे-न्यूटर सर्जरी सफलतापूर्वक की गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी पशु चिकित्सकों ने बड़े उत्साह और रुचि के साथ भाग लिया। सर्जरी के उपरांत श्वानों के लिए पशु चिकित्सालय परिसर में अस्थायी सेल्टर की व्यवस्था की गई है, जहां उनकी देखभाल की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नगरीय निकाय के साथ समन्वय स्थापित करते हुए यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आवारा श्वानों को एंटी-रेबीज टीकाकरण भी किया जा रहा है, जिससे जनस्वास्थ्य एवं पशु कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।

इसी क्रम में 16 दिसम्बर 2025 को ग्राम जेलगांव में एबीसी एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

वनकर्मी की विवादित टिप्पणी से कंवर समाज भड़का, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

कोरबा । छत्तीसगढ़ के आदिवासी कंवर समाज के वरिष्ठ नेताओं और समाज के प्रति घोर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले वन विभाग के निलंबित कर्मचारी शेखर सिंह के खिलाफ प्रदेशव्यापी आक्रोश उबल पड़ा है। पूर्व विधायक बौधराम कंवर, ननकी राम कंवर, पुरुषोत्तम कंवर और श्यामलाल कंवर समेत समाज के लोगों को निशाना बनाते हुए शेखर सिंह ने यह अपमानजनक टिप्पणी सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर वायरल की थी। इस पोस्ट के सामने आते ही कंवर समाज की विभिन्न इकाइयों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और शेखर के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार कोरबा जिले के बांकीमोगरा थाना में शेखर सिंह के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है। बताया जा रहा हैं कि कंवर समाज द्वारा प्रदेश भर के थानों में लिखित शिकायतें दी जा रही हैं। बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

वृद्धजनों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर किया शोध, प्रीति जायसवाल को मिली पीएचडी की उपाधि

कोरबा वृद्धजनों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर कोरबा जिले के विशेष संदर्भ में अपना शोध कार्य पूर्ण करते डॉ. प्रीति जायसवाल ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। पति दिलेन्द्र कुमार जायसवाल, परिवार व मित्रों के सहयोग से यह सफलता पाई। डॉ. प्रीति ने भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. स्नेह कुमार मेश्राम के मार्गदर्शन में यह शोध पूर्ण किया।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा बैठक, विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा

- कमजोर छात्रों के लिए रिमेडियल क्लास की शुरुआत, कलेक्टर ने सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
- समिति स्तर पर सतत निगरानी के साथ धान उठाव प्राथमिकता से करने हेतु किया निर्देशित
- एसआईआर कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने कलेक्टर के सख्त निर्देश
- शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कर आमजनों को दिलाए लाभः- कलेक्टर

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय कामकाज एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने टीएल के विभागवार लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वसंत ने जिले में एसआईआर की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसआईआर से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए फील्ड स्तर पर कार्यों की सतत समीक्षा की जाए साथ ही समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्य समय पर और प्रभावी ढंग से पूर्ण हो सके।

समर्थन मूल्य पर हो रही धान खरीदी कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को समिति स्तर पर सतत एवं प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी पर नियमित मॉनीटिरिंग करने एवं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या समस्या की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों को धान विक्रय में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएं। सभी समितियों में उपार्जन प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध होनी चाहिए। धान की तौल, भंडारण एवं उठाव की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाए तथा खरीदे गए धान का समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि समितियों में अव्यवस्था की स्थिति न बने। कलेक्टर ने विशेष रूप से हाथी प्रभावित क्षेत्रों में धान का उठाव प्राथमिकता से सुनिश्चित करने निर्देशित किया। जिससे भंडारित धान को नुकसान से बचाया जा सके। इस हेतु संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करते रहने के निर्देश दिए।

जिले के दूरस्थ, वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्रों के अविद्युतीकृत गांवो में विद्युत आपूर्ति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान विद्युत विभाग कटघोरा ग्रामीण संभाग के अधिकारी ने जानकारी दी कि डिवीजन अंतर्गत दूरस्थ विद्युतविहीन क्षेत्रों में डीएमएफ से विद्युत आपूर्ति पहुँचाई गई है, वहीं शेष ऐसे क्षेत्रों में शीघ्र विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने जिले में अर्धवार्षिक परीक्षा उपरांत कमजोर छात्रों के लिए 22 दिसंबर से रिमेडियल क्लास प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विकासखंडों में कक्षा संचालन हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण रखने को कहा। उन्होंने छात्र-छात्राओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था, वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति, साफ सफाई सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए एवं रेमिडियल क्लास के लिए छात्रों के पालकों की सहमति सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने रिमेडियल क्लास हेतु योग्य विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं का चयन कर कक्षा संचालन कराने की बात कही। साथ ही नियुक्त व्याख्याता की मूल शाला की पढ़ाई प्रभावित न हो। इस बात का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने स्कूली छात्रों का आपार आईडी बनाने का कार्य भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने विद्यालयों में पेयजल आपूर्ति हेतु हैंडपंप की आवश्यकता वाले स्कूलों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराने निर्देशित किया।

राजस्व अधिकारियों को नक्शा बटांकन कार्य में सक्रियता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु किया निर्देशित

- कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक
- कलेक्टर ने राजस्व मामलों की समीक्षा कर सभी प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए

कोरबा संवाददाता

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में जिले के विभिन्न राजस्व कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार अविवादित/विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बटांकन, अभिलेख शुद्धता, ई-कोर्ट प्रकरण सहित सभी राजस्व प्रकरणों की प्रगति पर चर्चा हुई। उन्होंने लंबित प्रकरणों के त्वरित और प्रभावी निपटान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने विवादित/अविवादित नामांतरण के आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा बटांकन कार्यों को गंभीरता से लेने और अगले 15 दिनों में जिले भर में अभियान चलाकर इसमें उल्लेखनीय प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही राजस्व निरीक्षक और पटवारियों को सक्रिय होकर तत्परता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा सभी एसडीएम को इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने सभी तहसीलों में लंबित 1 से 3 वर्ष, 3 से 5 वर्ष तथा 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित भू-अर्जन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए राजस्व अधिकारियों से व्यक्तिगत रुचि लेकर तत्परता के साथ कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने त्रुटि सुधार से संबंधित सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से निराकरण करने और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभिलेख शुद्धता का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए, ताकि प्रकरणों के निराकरण में लंबित समय को कम किया जा सके और जनता को त्वरित सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने सभी विकासखण्डों में मसाहती ग्राम के सर्वे व नक्शा प्रकाशन की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुए नक्शा प्रकाशन के कार्य मे तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने धान खरीदी कार्य में सभी राजस्व अधिकारियों को खरीदी के शुरुआत से ही मुस्तैद रहकर कार्य करने निर्देश दिए। अवैध धान के आवक पर रोक लगाने विभागीय समन्वय से कार्य करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री वसंत ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में शून्य आदेश पत्रक, भू-अर्जन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, डिजिटल सिग्नेचर, किसान किताब, आधार सिडिंग, स्वामित्व योजना, वन अधिकार पट्टा वितरण सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों पर चर्चा की। उन्होंने सभी मामलों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए राजस्व अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी कटघोरा श्री तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, सभी एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख, अधीक्षक भू-अभिलेख, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

कोरबा कलेक्टर सरगुजा भेजे गए,कुणाल दुदावत कोरबा में पदस्थ

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए कई आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। इस क्रम में कोरबा जिले के कलेक्टर का परिवर्तन किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार कुणाल दुदावत (भा.प्र.से. 2017) को दंतेवाड़ा कलेक्टर पद से हटाकर कोरबा जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं अजीत वसंत (भा.प्र.से. 2013) को कोरबा कलेक्टर पद से हटाकर सरगुजा जिले का कलेक्टर बनाया गया है। शासन द्वारा जारी इसी आदेश में कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी बदलाव किए गए हैं- गौरव विलास सोनी (भा.प्र.से. 2011), कलेक्टर सरगुजा को अतिरिक्त रूप से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के पद पर पदस्थ किया गया। राघव शर्मा (भा.प्र.से. 2012), कलेक्टर बेमेतरा को प्रबंध संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पद पर अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया। संजीव कुमार झा (भा.प्र.से. 2011) से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया। दिनेश कुमार दाश (भा.प्र.से. 2018), कलेक्टर सुकमा को दंतेवाड़ा जिले का कलेक्टर बनाया गया। सुश्री प्रतिभा ममगाईं (भा.प्र.से. 2018), कलेक्टर नारायणपुर को बेमेतरा जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया।

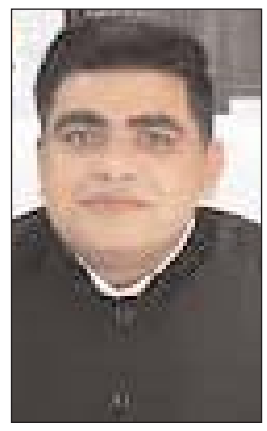

जीएसटी का बड़ा एक्शन, 02 कोल कारोबारियों के ठिकानों में छापामार कार्रवाई, मचा हड़कम्प

कोरबा । छत्तीसगढ़ में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी के मामलों को लेकर स्टेट जीएसटी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। बिलासपुर में तीन बड़े कोयला कारोबारी समूहों पर की गई बड़ी कार्रवाई के बाद अब जांच का दायरा बढ़ाते हुए कोरबा और रायपुर में एक साथ छापेमारी की गई है। इस कार्रवाई से प्रदेश के कोयला कारोबार में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्टेट जीएसटी की टीम ने कोरबा जिले में दो प्रमुख कोयला कारोबारियों और राजधानी रायपुर में एक बड़े कारोबारी के कार्यालय, गोदाम और अन्य व्यावसायिक परिसरों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान लेन-देन से जुड़े दस्तावेज, इनवॉइस, ई-वे बिल, बहीखाते और डिजिटल रिकॉर्ड की गहन जांच की जा रही है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि इन कारोबारियों द्वारा बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी किए जाने की आशंका है। प्रारंभिक जांच में कई लेन-देन संदिग्ध पाए गए हैं, जिनमें फर्जी इनवॉइस, बिना ई-वे बिल के माल परिवहन और टैक्स की गलत समायोजन की संभावनाएं सामने आई हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जांच में और भी बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। कार्रवाई अभी जारी है और दस्तावेजों की विस्तृत पड़ताल के बाद संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। स्टेट जीएसटी विभाग का कहना है कि कर चोरी के मामलों में किसी भी स्तर पर सख्ती से निपटा जाएगा।

बालको ने किया मंगल भवन का नवीनीकरण

कोरबा संवाददाता।

बालको टाउनशिप में स्थित मंगल भवन के नवीनीकरण परियोजना का उद्घाटन बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर बालको के अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न यूनियन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको सदैव अपने समुदाय के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और मंगल भवन का नवीनीकरण इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

यह भवन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन के रूप में विकसित हो गया है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएँ और सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करना है। मंगल भवन के नवीनीकरण के पश्चात इसके स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव हुआ है। भवन के आंतरिक और बाहरी हिस्सों को आकर्षक बनाने के साथ ही स्वच्छता और रोशनी पर विशेष ध्यान दिया गया है। अब यह भवन न केवल देखने में सुंदर है, बल्कि उपयोग के लिहाज से भी अत्यंत सुविधाजनक बन गया है। मंगल भवन में अब स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे युवा, बुजुर्ग और महिलाएँ सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकें। इसके साथ ही खेलकूद के लिए कैरम और टेबल टेनिस जैसी इनडोर गेम्स की व्यवस्था की गई है, जो सभी के लिए मनोरंजन और आपसी मेलजोल का अच्छा माध्यम है।

यह भवन शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य सामुदायिक आयोजनों के लिए भी उपलब्ध रहेगा। इसके लिए पानी, वॉशरूम, बिजली जैसी सभी मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं, ताकि आयोजनों के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह भवन अब एक भरोसेमंद और सुलभ आयोजन स्थल बन गया है।

वरिष्ठजनों की सेवा व सम्मान हमारी संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण अंग - महापौर

- महापौर संजूदेवी राजपूत ने 86 वरिष्ठजनों को प्रदान किया जीवन सहायक उपकरण

कोरबा)। महापौर संजूदेवी राजपूत ने कहा कि वरिष्ठजनों की सेवा सुश्रुषा करना एवं उन्हें सम्मान देना हमारी भारतीय संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं और हमारा परम कर्तव्य भी है, हमारे वरिष्ठजनों के जीवन अनुभव एवं उनके मार्गदर्शन हमारी जीवन यात्रा को सही दिशा देते हैं, सही और गलत का भेद समझाते हैं। हमारा परम दायित्व है कि हम समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करें, उनकी सेवा करें तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

उक्ताशय के विचार महापौर संजूदेवी राजूपत ने वरिष्ठजनों हेतु आयोजित निःशुल्क जीवन सहायक उपकरण वितरण समारोह के दौरान व्यक्त किए। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग एवं नगर पालिक निगम कोरबा के सहयोग से भारत सरकार की कम्पनी जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया के सी.एस.आर. कार्यक्रम अंतर्गत मैत्री संघ भवन बालको कोरबा में वरिष्ठजनों हेतु निःशुल्क जीवन सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन आज मंगलवार 16 दिसम्बर को किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजूपत ने अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उन्होने भारतमाता के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरूआत कराई। महापौर श्रीमती राजपूत ने इस मौके पर दिए गए अपने उद्बोधन में आगे कहा कि हमारे बुजुर्ग भारतीय संस्कृति के केन्द्र बिन्दु हैं एवं उनकी स्मृतियॉ हमारी सभ्यता की नींव है। वरिष्ठजनों का सम्मान करना, उनका सहारा बनना एवं माता-पिता की पूजा करना , ईश्वर की आराधना के समान है और हमारा नैतिक दायित्व भी है। उन्होने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार वरिष्ठजनों की सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता एवं उनका गरिमामय जीवन सुनिश्चित करने हेतु कृत संकल्पित है तथा पूरी इच्छाशक्ति के साथ इस दिशा में कार्य कर रही है। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं उपस्थित अतिथियों ने 86 वरिष्ठजनों को आवश्यकतानुसार विभिन्न जीवन सहायक उपकरण यथा वाकिंग स्टिक, कमरबेल्ट, कमोट कुर्सी, श्रवण यंत्र, वाकर सहित अन्य उपकरण प्रदान किए, उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की। इस मौके पर मेयर इन काउंसिल सदस्य श्री हितानंद अग्रवाल एवं वरिष्ठ पार्षद श्री सत्येन्द्र दुबे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा हमारे समाज में वरिष्ठजनों तथा उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले मार्गदर्शन की महत्ता को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए वरिष्ठजनों के दीर्घ व स्वस्थ जीवन की कामना की तथा वरिष्ठजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

रोजगार कार्यालय में 19 को प्लेसमेंट कैंप का होगा आयोजन

- विभिन्न संवर्ग के 440 रिक्त पदों पर होगी नियुक्ति

कोरबा।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 19 दिसंबर को किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से 05 नियोजकों - डेल्फी टी. व्ही. एस. एन. टी. टी. एफ तमिलनाडू, पी. एस. ए. ए. व्ही. टेक. पावरट्रेन प्राइवेट लिमिटेड तमिलनाडू, आई.टी.सी. लिमि. तेलंगाना, आई.टी.सी. तमिलनाडू, एवं प्रेनियल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड बर्धन पुणे महाराष्ट्र के द्वारा विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय के टेलीग्राम ग्रुप - è Á Á ¿ ð M ¤ ŠŠðèßÌÁÙÌâ‡´ÁŠ´Î},Ÿæ से जुड़ सकते हैं।

रोजगार कार्यालय ने नियोजकों के रिक्तियों के सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेनी ऑपरेटर, अप्रेंटिस ऑपरेटर, डी.जी. ऑपरेटर के 440 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इस हेतु अभ्यर्थियों की आयु सीमा-18 से 35 वर्ष एवं योग्यता- 12वीं, आई.टी.आई., डिप्लोमा वांछनीय है। कार्यस्थल छत्तीसगढ़, तमिलनाडू,(ओरागादम, हौसूर, ट्रिर्ची) एवं वेतनमान रूपये - 13 हजार से 22 हजार तक नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है।

प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने हेतु आवेदकों द्वारा रोजगार पंजीयन एवं ई.रोजगार पोर्टल ( ) में इच्छुक पदों पर ऑनलाईन अप्लाई किया जाना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक-आवेदिकाएं उक्त तिथि को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में उपस्थित होकर अपने योग्यतानुसार रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस सम्बंध में अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय के दूरभाष नंबर 07759-222069 पर संपर्क किया जा सकता है।

दो वर्ष की निरंतर सेवा, निरंतर विकास की दिशा में एक और पहल : मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉफी टेबल बुक्स का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शाम नवीन विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में ÷दो साल निरंतर सेवा,निरंतर विकास÷ की भावना को समर्पित छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाने वाली जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित आठ कॉफी टेबल बुक्स का विमोचन किया गया। इनमें बस्तर दशहरा (हिन्दी), बस्तर दशहरा (अंग्रेजी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (हिन्दी),पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ (अंग्रेजी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात (हिन्दी), छत्तीसगढ़ के अतुल्य जलप्रपात (अंग्रेजी),बैगा टैटू (हिन्दी) और बैगा टैटू (अंग्रेजी) शामिल हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये कॉफी टेबल बुक्स छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं, आदिवासी कला और प्राकृतिक विरासत को देश-विदेश तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इसे राज्य की पहचान को सशक्त करने वाला सार्थक प्रयास बताया।इस अवसर पर जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव , महासमुन्द विधायक श्री योगेश्वर सिन्हा, जनसंपर्क विभाग के सचिव श्री रोहित यादव, जनसंपर्क आयुक्त श्री रवि मित्तल, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह, पूर्व विधायक श्री खिलावन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए 17 दिसंबर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

रायपुर। अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष रोजगार कार्यालय द्वारा 17 दिसंबर 2025 को रोजगार हेतु प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। विशेष रोजगार कार्यालय की उप संचालक डॉ शशि अतुलकर ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु), पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, राजभवन के बाजू, सिविल लाइंस, रायपुर में आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में टेक्नोटेक बिजनेस सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के 10 पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जाएगी। चयनित आवेदकों को 8 हजार से 14 हजार रुपये प्रतिमाह देय होगा तथा कार्यक्षेत्र रायपुर रहेगा।छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त इच्छुक अस्थिबाधित दिव्यांगजन, जो बिना किसी सहारे अथवा व्हीलचेयर के चलने-फिरने में सक्षम हों, कंप्यूटर संचालन में दक्ष हों, अंग्रेजी समझने तथा हिंदी बोलने एवं लिखने में सक्षम हों और जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो, महिला एवं पुरुष दोनों इस प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते हैं। आवेदकों को कैम्प में उपस्थित होते समय 10वीं/12वीं स्नातक उत्तीर्ण की अंकसूची, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड सहित सभी दस्तावेजों की मूल प्रति एवं छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है। कैम्प में आने-जाने हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा। भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था स्वयं आवेदक द्वारा की जाएगी।

एनआईटी रायपुर में 13वें अंतरराष्ट्रीय आईईईई आईएसईडी : 2025 सम्मेलन का उद्घाटन, उभरती तकनीकों पर वैश्विक मंथन

रायपुर । कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एम्बेडेड सिस्टम और बुद्धिमान प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और नैतिक तकनीकी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी - एनआईटी) रायपुर में 13वें अंतरराष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड एम्बेडेड डिज़ाइन (इंटरनेशनल सिंपोज़ियम ऑन एम्बेडेड डिज़ाइन - आईएसईडी-2025) का शुभारंभ किया गया। यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 17 से 19 दिसंबर 2025 तक एनआईटी रायपुर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी रही। सम्मेलन को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), भारतीय वैश्विक परिषद (इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स) तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च - भारत) का वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ है। मुख्य अतिथि के रूप में एनआईएसटी विश्वविद्यालय, बेरहामपुर (ओडिशा) के कुलपति प्रोफेसर प्रियदर्शन पात्रा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफऑकलैंड, न्यूज़ीलैंड के प्रोफेसर पार्थ रोप तथा विशेष अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर टी. वी. विजय कुमार और यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद के प्रोफेसर सिबा के. उद्गाता ने अपने विचार रखे। भारतीय वैश्विक परिषद की प्रतिनिधि सुश्री अनुभा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रोफेसर एन. वी. रमना राव, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया, सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह, आयोजन समन्वयक डॉ. मनु वर्धन, डॉ. जितेंद्र के. राउत और डॉ. दीपक सिंह सहित संकाय सदस्य एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। औपचारिक उद्घाटन के पश्चात आयोजन समन्वयक डॉ. मनु वर्धन ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह मंच शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता के अनुसंधान कार्य साझा करने और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह ने सम्मेलन की थीम जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेज़ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीकी नवाचार के साथ नैतिक मूल्यों का संतुलन बनाए रखना समय की आवश्यकता है। अपने संबोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया ने कहा कि सम्मेलन को बड़ी संख्या में उत्कृष्ट शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, जो इसकी अकादमिक गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता को दर्शाता है। उन्होंने इसे शोध, सीखने और सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रोफेसर एन. वी. रमना राव ने कहा कि सम्मेलन की थीम स्वायत्त वाहन, एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन, मशीन लर्निंग, स्वास्थ्य सेवाओं और स्मार्ट सिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में व्यापक उपयोगिता रखती है।

महालेखाकार एवं नियंत्रक की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ में आवास, श्रमिक कल्याण और सौर पंप योजनाओं में खामियां उजागर

रायपुर। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने छत्तीसगढ़ में शहरी आवास, श्रमिक कल्याण और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर कमियों की ओर संकेत किया है। यह निष्कर्ष मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए जारी प्रदर्शन एवं अनुपालन लेखा परीक्षा (सिविल) रिपोर्ट में सामने आए हैं। यह रिपोर्ट भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 के अंतर्गत तैयार की गई तथा 17 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत की गई। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की प्रदर्शन एवं अनुपालन लेखा परीक्षा (सिविल) रिपोर्ट, मार्च 2023 तक की अवधि के लिए शीर्षक वाली यह रिपोर्ट छत्तीसगढ़ सरकार से संबंधित है और इसे रिपोर्ट संख्या 06 वर्ष 2025 के रूप में प्रकाशित किया गया है। रिपोर्ट में तीन अध्याय शामिल हैं, जिनमें लेखा परीक्षा नियोजन एवं व्यय विश्लेषण, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी का प्रदर्शन लेखा परीक्षण तथा श्रम विभाग द्वारा क्रियान्वित कल्याणकारी योजनाओं का अनुपालन लेखा परीक्षण शामिल है। इसके अतिरिक्त, छत्तीसगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी द्वारा सौर पंपों की स्थापना से संबंधित टिप्पणियां भी रिपोर्ट में दी गई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, जो भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा लागू की जाती है, के प्रदर्शन लेखा परीक्षण में लाभार्थियों के चयन और धन प्रबंधन में कई अनियमितताएं पाई गईं। बिलासपुर, रायपुर और कोरबा नगर निगम तथा प्रेमनगर नगर पंचायत सहित चार शहरी निकायों में की गई जांच में यह सामने आया कि ?3 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लाभार्थियों को भी योजना के तहत आवास आवंटित किए गए। भूमि स्वामित्व की पुष्टि किए बिना 250 लाभार्थियों को ?4.05 करोड़ की सहायता राशि जारी की गई। शहरी और ग्रामीण आवास योजनाओं के प्रबंधन सूचना तंत्रों के आपसी एकीकरण के अभाव में लाभार्थियों द्वारा एक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के मामले भी सामने आए। अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप घटक के अंतर्गत आवास इकाइयों के निर्माण में देरी के कारण ?230.05 करोड़ की योजना राशि अवरुद्ध रही। लाभार्थियों से वसूली भी अपर्याप्त पाई गई। क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना के अंतर्गत प्रस्तुत दावों में से केवल सीमित संख्या में ही सब्सिडी स्वीकृत की गई, जबकि दोहरे लाभ के मामले भी सामने आए। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य पूर्ण रूप से हासिल नहीं हो सके, क्योंकि केवल लगभग आधे आवास महिलाओं के नाम पर स्वीकृत किए गए। निगरानी व्यवस्था में भी कमियां पाई गईं, जिनमें जियो-टैगिंग में अनियमितताएं और सामाजिक अंकेक्षण में देरी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार के श्रम विभाग द्वारा क्रियान्वित कल्याणकारी योजनाओं के अनुपालन लेखा परीक्षण में निधियों के अपर्याप्त उपयोग और संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सीमित कवरेज सामने आई। भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर बड़ी संख्या में श्रमिकों के पंजीकरण के बावजूद, राज्य के श्रम पोर्टल पर पंजीकरण अपेक्षाकृत कम पाया गया। रिपोर्ट में सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियों की कमजोरी, कई योजनाओं में असंगत व्यय और कुछ योजनाओं में वर्षों तक कोई व्यय न होने की बात भी उजागर हुई। साइकिलों की खरीद और वितरण में अनियमितताएं तथा विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता जारी करने में देरी भी पाई गई। सौर सुजला योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी के माध्यम से स्थापित सौर पंपों के लेखा परीक्षण में यह पाया गया कि योजना दिशा-निर्देशों के विपरीत महंगे पंपों की स्थापना के कारण अनावश्यक अतिरिक्त व्यय हुआ। अनिवार्य उत्पादन परीक्षण किए बिना सौर पंप स्थापित किए गए और लेखा परीक्षा अवधि के दौरान ठेकेदारों के बिलों से श्रम उपकर की कटौती नहीं की गई। इन कमियों के परिणामस्वरूप राज्य को वित्तीय अनियमितताओं और अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में लोक निर्माण कार्यों में सामग्री के गलत वर्गीकरण और अतिरिक्त भुगतान के कारण सरकार को हुई हानि से संबंधित अनुपालन लेखा परीक्षण टिप्पणियां भी शामिल हैं।

महालेखाकार (लेखा परीक्षा), छत्तीसगढ़ कार्यालय ने कहा कि ये निष्कर्ष योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुदृढ़ निगरानी तंत्र, विभागों के बीच बेहतर समन्वय, लाभार्थियों की पहचान की प्रभावी प्रणाली तथा योजना दिशा-निर्देशों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं, ताकि सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और कल्याणकारी उद्देश्यों की प्राप्ति हो सके।

नगरपालिका बीजापुर क्षेत्र में पीएम आवास योजना के तहत निर्माण प्रगति पर, डीबीटी से मिलेगा अनुदान

बीजापुर । नगरपालिका बीजापुर क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 1.0 (प्रथम चरण) एवं 2.0 के अंतर्गत निर्माणाधीन सभी आवासों में नियमानुसार कार्य कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत नींव, लिंटल, छत एवं पूर्ण स्तर पर कार्य पूर्ण होने पर उसी के अनुरूप शत-प्रतिशत अनुदान राशि का भुगतान सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा।नगरपालिका प्रशासन द्वारा हितग्राहियों के आधार सीडिंग एवं बैंक खाता लिंकिंग से संबंधित तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभागों एवं बैंकों के साथ समन्वय बनाकर निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि किसी भी पात्र हितग्राही को अनुदान राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की बाधा न आए।मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री बंशीलाल लाल नुरेटी ने बताया कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को सुचारु रूप से पूर्ण किया जा रहा है।

नकली-अवमानक औषधियों के ऊपर कार्रवाई

राज्य में नकली दवाइयों को लेकर अलर्ट जारी

रायपुर। लोकशक्ति

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा बाजार में संदिग्ध और गैर कानूनी रूप से आवागमन हो रहे नकली-अवमानक औषधियों के ऊपर बड़ा प्रहार किया गया है। विभाग को सूचना प्राप्त हुई की नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट गोगांव, रायपुर (छ.ग.) में एक दवा की डाक को किसी व्यक्ति या दुकान द्वारा प्राप्त नहीं किया जा रहा है तथा दवा के नकली होने का संदेह है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों के अंतर्गत निरीक्षण दल गठित किया गया।

निरीक्षण के दौरान बिल्टी एवं इंदौर से प्रेषित दवा की डाक का अवलोकन कराया गया, जिसमें पाया गया कि बिल में जिन दवाओं का उल्लेख था, वे डाक में उपलब्ध नहीं थीं तथा डाक में अन्य तीन प्रकार की औषधियाँ पाई गईं। बरामद दवाओं का विधिवत रूप से चार-चार भागों में नमूना संकलित कर शेष मात्रा को जब्त किया गया तथा संकलित नमूनों को औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया। प्रकरण में आगे की विस्तृत विवेचना जारी है तथा दवाओं के वास्तविक स्रोत, आपूर्ति श्रृंखला एवं संभावित अवैध गतिविधियों की जांच की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 16/12/2025 को राज्य औषधि परिक्षण प्रयोगशाला द्वारा जारी रिपोर्ट में तीनो औषधियां निर्माता मेसर्स जी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, नहान रोड, सोलन, हिमाचल प्रदेश , निर्माता मेसर्स जी.सी हेल्थ केयर, सोलन, हिमाचल प्रदेश तथा निर्माता मेसर्स लार आक्स फार्मास्युटिकल्स गोपालकृष्णन चेन्नई की दवाएं अवमानक व नकली पायी गयी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में अधिकारियों को इस सम्बन्ध में अलर्ट जारी कर दिया गया है तथा अवमानक औषधियों के परिवहन व बाजार में संभावित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गए हैं । आम जनता, दवा विक्रेताओं एवं परिवहन एजेंसियों से अपील की गई है कि वे संदिग्ध दवाओं या किसी भी अनियमित गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग के हेल्पलाइन न.+91 9340597097 पर प्रदान करें तथा केवल लाइसेंस प्राप्त एवं विश्वसनीय स्रोतों से ही दवाओं की खरीद एवं आपूर्ति करें।

कांग्रेस विधायक सदन में सत्यमेव जयते की तख्ती लेकर पहुंचे, विस हुई बाधित

10 मिनट के लिए कार्रवाई स्थगित हुई

रायपुर । रायपुर विस में आज कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरुद्ध ईडी द्वारा दायर मुकदमें को कोर्ट द्वारा संज्ञान नहीं लेने के मामले की गुंज विस में सुनाई दी। कांग्रेस के सदस्य आज सत्यमेव जयते का पोस्टर लगाकर सदन में पहुंचे। जिस पर भाजपा के अजय चंद्राकर, धर्मजीत सिंह ने आपत्ति जताई की। नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। अध्यक्ष की आसंदी से रमन सिंह ने कहा कि विस के अंदर झंडा बैनर पोस्टर लेकर आना मना है। आप सदन के बाहर जाइये। जिसको लेकर विपक्ष के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। सदन की कार्रवाई 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई है।

विस में प्रश्नकाल के शुरू होते ही अजय चंद्राकर ने इस बात पर आपत्ति जताई की कांग्रेस सदस्य सत्यमेव जयते का पोस्टर लगाकर आए है जो कि यह नियम विरुद्ध है। विस में इस तरह की कार्रवाई करना नियम विरुद्ध है। विपक्ष ने वंदे मातरम सत्यमेव जयते का नारा लगाए जिसको लेकर सदन का माहौल गरमा गया। कोर्ट द्वारा दिये गये निर्णय के बाद कांग्रेस ने आज कुशाभाऊ ठाकरे परिसर का घेराव करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस ने अब इस मुद्दे को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया है। इसके पश्चात सदन में आज वरिष्ठ नेताओं का जमावड़ा लगा रहा। आज सदन में भूपेश बघेल संगीता सिन्हा, राघवेंद्र कुमार, रामकुमार यादव सहित सभी विधायक उपस्थित थे। विस की कार्रवाई पुनः शुरू हुई फिर जमकर हंगमा हुआ।

ई-नीलाम : पारदर्शिता और राजस्व वृद्धि की दिशा में एक सकारात्मक पहल

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ वन विकास निगम द्वारा अब इमारती लकड़ी की नीलामी ई-नीलाम के माध्यम से की जा रही है। यह एक आधुनिक, पारदर्शी और पूर्णतः डिजिटल प्रक्रिया है, जिसमें ऑनलाइन पोर्टल के जरिए नीलामी संपन्न होती है।

ई-नीलाम प्रक्रिया के अंतर्गत पंजीकृत व्यापारी निर्धारित तिथि और समय पर देश के किसी भी स्थान से बोली लगा सकते हैं। पूरी प्रक्रिया कंप्यूटर आधारित होने के कारण मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम रहता है, जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित होती है और लकड़ी का वास्तविक बाजार मूल्य प्राप्त हो पाता है।

इस पहल से नीलामी में पारदर्शिता बढ़ी है और प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हुई है। अंतरराज्यीय व्यापारियों की भागीदारी से काष्ठ का उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है, जिससे वन विकास निगम के राजस्व में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ई-नीलाम प्रारंभ होने के बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के काष्ठ व्यापारी भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। भविष्य में अन्य राज्यों के व्यापारियों के जुड़ने से प्रतिस्पर्धा और अधिक सशक्त होने की संभावना है।

ई-नीलाम के माध्यम से नीलामी प्रक्रिया सरल और सुव्यवस्थित हो गई है। पहले जहां व्यापारियों और वन अधिकारियों को नीलामी स्थल पर उपस्थित होना पड़ता था, वहीं अब ऑनलाइन व्यवस्था से देश के किसी भी कोने से भागीदारी संभव हो गई है। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री प्रेम कुमार ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 6,950 घन मीटर इमारती काष्ठ तथा 2,070 चट्ठा जलाऊ लकड़ी का विक्रय किया जा चुका है, जिससे कुल 9.60 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित हुआ है।

एक्सप्रेस वे में शराब बेचते दो पकड़ाये

रायपुर । राजधानी रायपुर के फाफाडीह एक्सप्रेस वे के पास शराब बेचते दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तथा उनके कब्जे से 71 पौवा देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना गंज पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्रांतर्गत फाफडीह एक्सपेस वे ओव्हरब्रीज के नीच दो व्यक्ति अपने पास शराब रखे है तथा बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहे है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी गंज के नेतृत्व में थाना गंज पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम राहुल सोना तथा सोनू बाघ निवासी गुढ़ियारी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर थैले में शराब रखा होना पाया गया। शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उनके द्वारा किसी प्रकार को कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत न कर गुमराह किया जा रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा दोनो आरोपी राहुल सोना पिता लाजों सोना उम्र 32 साल साकिन चाम द्वामनद्रींगा थाना काटाभांजी जिला बलांगीर उडीसा हाल पता गोप्यात नगर रामनगर गली नंबर 04 जय सांई विधा मंदिर के पास थाना गुडियारी जिला रायपुर। तथा सोनू बाध पिता हरे मोहरिया बत्थ उम्र 33 साल ग्राम दामनढोंगा धाला काटाभोजी जिला बलांगीर उड़ीसा हात पता गोपाल नगर रामनगर गली नंबर 04 जप सांई विद्या मंदिर के पास थाना गुद्धिपारी जिला रायपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी शराब कुल 71 पौवा जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना गंज में धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई। शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उनके द्वारा किसी प्रकार को कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत न कर गुमराह किया जा रहा था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)